हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 26 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 35 .5 डिग्री से.
न्यूनतम 24 .7 डिग्री से.

12 श्मशानघाट की मुख्य सड़क पर पानी जमा

12 कारगिल दिवस देश के प्रति संकल्प लेने का ...

खबर संक्षेप

एंबुलेंस चालक पर हमला, 3 नामजद

यमुनानगर। गांव पालेवाला में पुरानी रंजिश के चलते एंबुलेंस चालक पर हमला करने का मामला सामने आया है। गांव बनूड निवासी अमरजीत ने जठलाना थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि धर्मपाल, संजीव और जगतार सिंह उससे एंबुलेंस चलाने को लेकर रंजिश रखते थे। 24 जुलाई की रात वह एंबुलेंस लेकर गांव पहुंचा तो आरोपियों ने चार-पांच साथियों के साथ मिलकर लोहे की रॉड, तेजधार हथियार और डंडों से हमला कर दिया। हमले में वह घायल हो गया तथा एंबुलेंस के शीशे भी तोड़ दिए गए। पुलिस ने तीन नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

रास्ता रोककर किशोरी से अपशब्द बोलने पर केस

यमुनानगर। कस्बा छछरौली में युवक द्वारा किशोरी को जबरदस्ती रास्ते में रोककर उसे अपशब्द बोलने का आरोप लगा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। छछरौली की एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी कस्बे के एक स्कूल में पढ़ती है। 24 जुलाई को लड़की स्कूल से घर लौट रही थी। इस दौरान समीर नामक युवक ने लड़की का पीछा कर जबरदस्ती रास्ते में रोक लिया। इस दौरान आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ की। उसकी लड़की के विरोध करने पर आरोपी ने उसे अपशब्द बोले। शोर सुनकर जब अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी मौके से फरार हो गया। लड़की ने घर जाकर घटना के बारे में बताया। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी समीर के खिलाफ 12 पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

स्टडी वीजा के नाम पर हड़पे 13 लाख, 4 पर केस

यमुनानगर। यमुनानगर। स्टडी वीजा पर इंग्लैंड भेजने का झांसा देकर 13 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। शहर की चुना भट्टी कॉलोनी निवासी पलक की शिकायत पर पुलिस ने बलराम, कीर्ति बरोत, उज्जवल और तनु के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता के अनुसार, फरवरी में उसकी मुलाकात आरोपियों से हुई थी। उन्होंने खुद को स्टडी वीजा पर विदेश भेजने का काम करने वाला बताकर इंग्लैंड भेजने का भरोसा दिया और 13 लाख रुपये ले लिए। काफी समय बीतने के बाद भी न तो वीजा मिला और न ही रकम लौटाई गई।

लेबर दिलाने के नाम पर 8.80 लाख की ठगी, केस

यमुनानगर। ईंट भट्टे पर काम के लिए लेबर उपलब्ध कराने का झांसा देकर 8.80 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। मॉडल कॉलोनी निवासी हरमिंदर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जुलाई 2025 में उसकी मुलाकात शाकिर से हुई थी। आरोपी ने भट्टे के लिए मजदूर उपलब्ध कराने का भरोसा देकर उससे 8.80 लाख रुपये ले लिए। काफी समय बीतने के बाद भी न तो लेबर उपलब्ध कराई गई और न ही रकम लौटाई गई। बाद में आरोपी ने अपना मोबाइल भी बंद कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कंडक्टर के घर से गहने व नगदी चोरी

समालखा। गांव महावटी में चोरों ने रोडवेज विभाग में परिचालक गांव महावटी निवासी सतीश कुमार के घर से 80 हजार रुपये की नकदी, दो सोने की अंगूठियां, सोने का हार, सोने का मंगलसूत्र, टीका, एक जोड़ी झुमकी, चांदी की तागड़ी तथा एक चांदी का गुच्छा चोरी कर लिए। सतीश की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात पर चोरी के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मैंगो मेला किसान की मेहनत का सम्मान, हरियाणा की कृषि शक्ति का उत्सव

- लाडवा के उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र में तीन दिवसीय 8वें मैंगो मेले के समापन पर बोले कृषि मंत्री
- 200 से अधिक आम की किस्मों की प्रदर्शनी, किसानों के नवाचार और परिश्रम की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

कुरुक्षेत्र। किसानों को सम्मानित करते कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि यह मेला किसान की मेहनत का सम्मान और हरियाणा की कृषि शक्ति का उत्सव है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन रहा है। इस यात्रा की सबसे बड़ी ताकत हमारे गांव, किसान और कृषि हैं। किसान की मेहनत का पूरा मूल्य तभी मिलेगा, जब वह बाजार की ताकत भी बने। इसी सोच के तहत देशभर में फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) का नेटवर्क विकसित किया जा रहा है, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में बढ़ावा दे रहे हैं। छोटे किसानों के जुड़ने से लागत घटती है और आय बढ़ती है। कैबिनेट मंत्री शनिवार को लाडवा स्थित उप-उष्णकटिबंधीय फल केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय 8वें मैंगो मेले के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने उपकेंद्र की नर्सरी का निरीक्षण कर पौधे तैयार करने की विधि की जानकारी ली। उपकेंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने विभिन्न राज्यों से आए प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और आम की विभिन्न किस्मों में गहरी रुचि दिखाई।

एआई का सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलेगा

श्याम सिंह राणा ने कहा कि मैंगो मेले में 200 से अधिक आम की किस्में प्रदर्शित की गई हैं, जो किसानों के अनुभव, नवाचार और परिश्रम का परिणाम हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए खेती को भी भविष्य के अनुरूप ढालना होगा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चर्चा कर रही है और इसका सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलेगा। यदि मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी, सिंचाई का सही समय, लाभकारी फसल, रोगों के संकेत और मंडी की मांग की जानकारी पहले ही मिल जाए, तो समय बचेगा, लागत घटेगी और किसानों की आमदनी बढ़ेगी।

महानिदेशक ने किया अतिथियों का स्वागत

मुख्यमंत्री के एडीसी महेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों को गेहूं और धान के साथ-साथ बागवानी को भी अपनाना चाहिए। इससे फसल चक्र में सुधार होगा और भूमि की उर्वरता बढ़ेगी। बागवानी को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में किसानों के हित में कई लाभकारी योजनाएं लागू की हैं, जिनका लाभ उठाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह सैनी ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत किया और उपकेंद्र तथा प्रदेश में विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। मिशन डायरेक्टर डॉ. मनोज कुमार, चेयरमैन डॉ. गणेश दत्त, उपनिदेशक पिंकी यादव, डॉ. सतेंद्र सिंह शिवेंदु, डॉ. बिल्लू यादव, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, नरेंद्र दबखेड़ा, पूनम सैनी, सन्नी कालड़ा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर सांझा मोर्चे के नेतृत्व में अलग-अलग जिलों से आए सैकड़ों रोडवेज कर्मी

रोडवेज कर्मचारियों का उग्र प्रदर्शन, बैरिकेड तोड़ परिवहन मंत्री के आवास का किया घेराव

- बैरिकेड हटाने को लेकर पुलिस और कर्मचारियों के बीच हुई धक्का-मुक्की
- अनिल विज ने खुद लिया ज्ञापन, 15 दिन में बैठक बुलाकर मांगों पर विचार का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। बैरिकेड हटाते व प्रदर्शन करते कर्मचारी व ज्ञापन लेते मंत्री अनिल विज।

फोटो: हरिभूमि

मांगों को लेकर सांझा मोर्चे के नेतृत्व में शनिवार को प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए सैकड़ों रोडवेज कर्मचारियों ने परिवहन मंत्री अनिल विज के आवास का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान जब अधिकारियों ने कर्मचारियों से ज्ञापन लेने का प्रयास किया तो कर्मचारियों ने साफ इनकार कर दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार और मंत्री के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कर्मचारियों ने माइक के माध्यम से अनिल विज से स्वयं ज्ञापन लेने की मांग की और इसके लिए आधे घंटे का अल्टीमेटम दिया। जब मंत्री बाहर नहीं आए तो माहौल तनावपूर्ण हो गया। कर्मचारी उग्र हो गए और उन्होंने विज आवास की ओर बढ़ने का निर्णय लिया। एक तरफ पुलिस प्रशासन और दूसरी तरफ आक्रोशित रोडवेज कर्मचारी आमने-सामने आ गए। बैरिकेड तोड़ने को लेकर दोनों पक्षों के बीच जमकर टकराव हुआ। गुस्साए कर्मचारियों ने पहली बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद उन्होंने दूसरी बैरिकेडिंग हटाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच काफी धक्का-मुक्की हुई। हालांकि, बाद में पुलिस अधिकारियों के समझाने पर कर्मचारी शांत हुए। बिगड़ते माहौल को देखते हुए परिवहन मंत्री अनिल विज खुद बाहर आए। उन्होंने रोडवेज कर्मचारियों की बातें सुनीं और उनसे ज्ञापन लिया। मंत्री ने कर्मचारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि अगले 15 दिन के भीतर बैठक बुलाकर उनकी मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। आश्वासन के बाद कर्मचारियों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया। इससे पहले परिवहन मंत्री अनिल विज के अंबाला छावनी स्थित शास्त्री कॉलोनी आवास के बाहर भारी संख्या में रोडवेज कर्मचारी जमा हो गए थे। हालांकि मुख्यद्वार पर प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों हरियाणा रोडवेज कर्मचारियों के बीच उस समय माहौल बदल गया, जब मंत्री अनिल विज खुद ज्ञापन लेने के लिए उनके बीच पहुंच गए।

विस्तार से सुनी परिवहन मंत्री ने बात

प्रदेशभर से आए हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के सदस्यों की बात मंत्री अनिल विज ने विस्तार से सुनी और उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचते ही परिवहन मंत्री अनिल विज ने खुद ज्ञापन लिया। उन्होंने कर्मचारी नेताओं से ज्ञापन लेते हुए कहा कि वह उनकी बात सुन रहे हैं। विज ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है कि कर्मचारियों की कितनी यूनियन हैं, लेकिन उन्होंने पहले सभी यूनियनों को बुलाकर उनकी बात सुनी है। इसी तरह अब वह प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों की मांगों को भी सुनेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगामी 15 दिन के भीतर बैठक बुलाकर मांगों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कुवि ने घोषित किए 22 परीक्षाओं के परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने मई-2026 एवं दिसंबर-2025 परीक्षा सत्र के 22 परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि घोषित परिणामों में मई 2026 में आयोजित बीपीएड चौथा सेमेस्टर (फ्रेश एवं री-अपीयर), बीएचएमसीटी द्वितीय सेमेस्टर (री-अपीयर, नॉन-सीबीसीएस), बीएचएमसीटी चौथा सेमेस्टर (सीबीसीएस), एमएससी जूलॉजी चौथा सेमेस्टर (एनईपी एवं सीबीसीएस री-अपीयर), बीए-एलएलबी दसवां सेमेस्टर, एमए वूमेन स्टडीज द्वितीय सेमेस्टर, बीवोक इन सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट छठा सेमेस्टर, एमएससी फॉरेंसिक साइंस द्वितीय सेमेस्टर, बीएससी इंटीरियर डिजाइन चौथा सेमेस्टर (एनईपी), एमएससी एनवायरनमेंटल साइंस, एमए फिलॉसफी चौथा सेमेस्टर तथा ज्ञानी की परीक्षाएं (मई-2026 सत्र) शामिल हैं। बीकॉम भाग-3 (डीडीई), बीएड प्रथम वर्ष (सीडीओई, फ्रेश एवं री-अपीयर), एमएससी स्टैटिस्टिक्स प्रथम एवं चतुर्थ सेमेस्टर (स्पेशल), बीए-बीएड पांचवां एवं सातवां सेमेस्टर (एचकेसीएल), बीएससी. (बायोकेमिस्ट्री मेजर) प्रथम सेमेस्टर, चार वर्षीय एकीकृत बीए-बीएड तृतीय सेमेस्टर तथा बीसीए (इंडस्ट्रियल लिंक्ड) प्रथम सेमेस्टर के परिणाम भी घोषित किए गए हैं।

शादी छिपाकर युवती से की लव मैरिज, गर्भवती होने पर खुला राज

- बेटी के जन्म के बाद भी नहीं ले गया घर, विरोध करने पर मारपीट कर निकाला
- पिहोवा में युवक पर धोखे से शादी करने और मारपीट करने का आरोप, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र जिले में एक युवक द्वारा अपनी पहली शादी छिपाकर युवती से लव मैरिज करने का मामला सामने आया है। युवती को आरोपी की सच्चाई तब पता चली, जब वह करीब सात महीने की गर्भवती थी। पीड़िता की शिकायत पर थाना सिटी पिहोवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना सिटी पिहोवा के एसएचओ सुनील वत्स ने बताया कि पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि आरोपी उसके पड़ोस में काम करने के लिए आया था। इसी दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और बाद में प्रेम संबंध बन गए। आरोपी ने खुद को अविवाहित बताते हुए उसे शादी का भरोसा दिलाया और अपने साथ दिल्ली ले गया, जहां दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली।पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद वह आरोपी के साथ दिल्ली में रहने लगी। जब वह करीब सात महीने की गर्भवती थी, तब उसे पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है और उसकी पहली पत्नी से तीन बच्चे हैं। पूछताछ करने पर आरोपी ने दावा किया कि उसका पहली पत्नी से तलाक हो चुका है। शिकायत के अनुसार, शादी के करीब एक साल बाद पीड़िता ने एक बेटी को जन्म दिया। इसके बावजूद आरोपी उसे अपने पैतृक घर नहीं ले गया। काफी दबाव बनाने के बाद आरोपी उसे अपने घर लेकर आया, जहां उसके साथ मारपीट की गई। पीड़िता ने बताया कि करीब तीन महीने पहले वह रसोई में काम कर रही थी। इसी दौरान आरोपी ने उससे पैसों की मांग की। विरोध करने पर आरोपी ने उसकी बांह मरोड़ दी और उसे घर से निकाल दिया।एसएचओ सुनील वत्स ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के दो मामले, आरोपियों पर केस

यमुनानगर। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र में दो युवतियों से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पहले मामले में एक गांव निवासी युवती ने शिकायत दी कि उसकी जान पहचान गुरमन सिंह से हुई थी। आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर 12 मई को जगाधरी बस स्टैंड से होटल ले जाकर दुष्कर्म किया। दूसरे मामले में एक कॉलोनी निवासी युवती ने नियाजुद्दीन पर वर्ष 2019 से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। पुलिस ने आरोपी युवक और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

करनाल में एसडीएम की सरकारी स्कूल में अचानक एंट्री, मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। गांव लालूपुरा के राजकीय उच्च विद्यालय में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते एसडीएम राजेश सोनी।

घरौंडा क्षेत्र के गांव लालूपुरा स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में एसडीएम राजेश सोनी ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति, प्रार्थना सभा, मिड-डे मील, कक्षाओं और स्कूल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कुछ शिक्षक देरी से पहुंचे, जिस पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। स्कूल में खराब पंखे, बिजली व्यवस्था, कंप्यूटर लैब और शौचालयों में सुधार की जरूरत मिली। एसडीएम ने विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई का स्तर भी जांचा। उन्होंने पौधारोपण अभियान चलाने और व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

प्लॉट धोखाधड़ी में मुख्य आरोपी पकड़ा, 7 लाख हड़पने का आरोप

अंबाला। प्लॉट की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी कर 7 लाख रुपये हड़पने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी मनप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता अमनप्रीत सिंह ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने प्लॉट बिक्री को लेकर उसके साथ इकरारनामा किया था और करीब 7 लाख रुपये ले लिए थे। इसके बाद आरोपी ने इकरारनामे का उल्लंघन करते हुए प्लॉट की रजिस्ट्री किसी अन्य व्यक्ति के नाम करवा दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मोहाली से लापता 3 साल का बच्चा अंबाला कैंट स्टेशन से बरामद

7 घंटे में पुलिस ने बच्चे को तलाशा

- अनजान के साथ पिता ने पी थी शराब, चिप्स दिलाने के बहाने बच्चा लेकर आरोपी फरार

रेलवे स्टेशन से बरामद बच्चा

सीसीटीवी में बच्चे को ले जाता दिखा संदिग्ध, चिप्स दिलाने के बहाने ले गया था साथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

मोहाली के खरड़ से अपहृत 3 वर्षीय बच्चे को पुलिस ने करीब सात घंटे में अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित उसके परिजनों के हवाले कर दिया है। वहीं, बच्चे को ले जाने वाला आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। मामला सन्नी एनक्लेव का है। पुलिस के अनुसार, धर्मेंद्र का 3 वर्षीय बेटा बॉबी देवा अचानक घर से गायब हो गया था। जांच में पता चला कि धर्मेंद्र की मुलाकात एक अनजान व्यक्ति से हुई थी और दोनों ने शराब पी थी। धर्मेंद्र के सोने के बाद आरोपी बच्चे को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें संदिग्ध बच्चे को ले जाता दिखाई दिया। आरोपी ने बच्चे को चिप्स भी दिलाए थे। जांच में आरोपी के बिहार के बेगूसराय जाने की आशंका पर पुलिस टीम अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पहुंची। तलाशी के दौरान बच्चा अकेला मिला। पुलिस ने बच्चे को देर रात माता-पिता को सौंप दिया और आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

सावन में जलाभिषेक, बेलपत्र और महामृत्युंजय मंत्र जप का विशेष महत्व

सच्चे मन से शिव उपासना करने से दूर होती हैं बाधाएं, मिलती है सुख समृद्धि

30 जुलाई से सावन आरंभ, जलाभिषेक और शिव पूजा का बनेगा शुभ संयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हिंदू धर्म में सावन माह का विशेष महत्व है। भगवान शिव का अत्यंत प्रिय माह का आरंभ श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि के साथ आरंभ हो जाता है, जो श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि के साथ समाप्त होता है। इस दौरान भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करना बेहद शुभ माना जाता है। श्रावण माह के दौरान शिवलिंग में जलाभिषेक, दूध अभिषेक करने से लेकर धतूरा, बेलपत्र, गन्ने का रस, आक का फूल आदि चढ़ाने से वह अति प्रसन्न होते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। इसके साथ ही श्रावण माह में पड़ने वाले सोमवार विशेष माने जाते हैं। पंचांग के अनुसार, इस वर्ष श्रावण मास के कृष्ण प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई को रात 8:05 बजे से प्रारंभ हो रही हैं, जो 30 जुलाई को रात 9:30 बजे तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के हिसाब से सावन माह का आरंभ 30 जुलाई 2026, गुरुवार से होगा। इसका समापन श्रावण पूर्णिमा तिथि के दिन होगा। बता दें कि श्रावण पूर्णिमा 27 अगस्त सुबह 9:08 बजे से आरंभ होकर 28 अगस्त सुबह 9:48 बजे तक रहेगी। 27 अगस्त को सुबह से रात्रि 9-46 तक भद्रा होने के कारण रक्षाबंधन अगले दिन 28 अगस्त को मनाया जाएगा।

पूजा से शादी-विवाह में आ रही बाधाएं होती हैं दूर

डॉ रामराज कौशिक

गायत्री ज्योतिष अनुसंधान केंद्र के संचालक डॉ रामराज कौशिक ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान निकला हलाहल विष भगवान शिव ने इसी सावन मास में अपने कंठ में धारण किया था। विष के प्रभाव और ताप को कम करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन पर जल अर्पित किया था। इसी परंपरा के तहत सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने की विशेष मान्यता है। रामराज कौशिक ने बताया कि माना जाता है कि सावन में शिवजी की सच्चे मन से पूजा करने से शादी-विवाह में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए और कुंवारी कन्याएं मनचाहा वर पाने के लिए सावन सोमवार का व्रत रखती हैं। इस पवित्र महीने में जलाभिषेक और महामृत्युंजय मंत्र का जप करने से सभी कष्टों और पापों से मुक्ति मिलती है।

सोमवार सावन चार व्रत पड़ेंगे

- पहला सावन सोमवार- 3 अगस्त
- दूसरा सावन सोमवार- 10 अगस्त
- तीसरा सावन सोमवार- 17 अगस्त
- चौथा सावन सोमवार- 24 अगस्त

सावन में शिवलिंग पूजा और जलाभिषेक विधि

सावन के दौरान प्रतिदिन या विशेष रूप से सोमवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान-ध्यान के बाद ही पूजा की शुरूआत करनी चाहिए. प्रातःकाल स्नान के बाद साफ वस्त्र धारण करें और शिव मंदिर जाएं या घर पर ही पार्थिव शिवलिंग बनाएं. फिर, सबसे पहले शिवलिंग पर शुद्ध जल, फिर गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी और शक्कर से अभिषेक करें. अंत में फिर से शुद्ध जल अर्पित करें।इसके बाद शिवजी को उनका प्रिय बेलपत्र, धतूरा, भांग, शमी के पत्ते, श्वेत फूल और भस्म चढ़ाएं. पूजा के दौरान ऊं नमः शिवाय मंत्र का निरंतर जप करें. शिव चालीसा का पाठ करें और अंत में कपूर से आरती करें. भगवान भोलेनाथ को फल, मिठाई या हलवे का भोग लगाएं।

खबर संक्षेप

मॉडल स्कूल को प्रवीण गर्ग ने दी दो इन्वर्टर बैटरी

तरावड़ी। राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तरावड़ी में समाजसेवा की भावना का शानदार उदाहरण पेश करते हुये बी डी ओवरसीज के निदेशक प्रवीण गर्ग के द्वारा 2 इन्वर्टर और 2 बैटरी भेंट किए गए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रधानाचार्य नवीन कुमार ने की। इस सराहनीय कार्य में चेयरमेन वीरेन्द्र बंसल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रधानाचार्य ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि बढ़ती गर्मी में लाइट का कट लगने से छात्रों की पढाई में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था लेकिन अब सहयोग से माहौल बेहतर हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों का इस तरह का सहयोग शिक्षा के सर को ऊंचा उठाने में अहम भूमिका निभाता है।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में लगी विज्ञान प्रदर्शनी

तरावड़ी। मॉडर्न पब्लिक स्कूल तरावड़ी में सातवीं और आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा एक आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित मॉडल तैयार कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखकर उपस्थित सभी लोग प्रभावित हुए। प्रदर्शनी में बच्चों ने जल संरक्षण, हवा के दबाव, पवन चक्की (विंडमिल), बैटरी से संचालित उपकरणों सहित कई रोचक मॉडल प्रस्तुत किए। जल संरक्षण मॉडल के माध्यम से विद्यार्थियों ने वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) की प्रक्रिया को सरल तरीके से समझाया।

माता रानी की चौकी पर महापौर ने टेका माथा

करनाल। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने बहादुर चंद कॉलोनी में आयोजित माता रानी की पावन चौकी में श्रद्धापूर्वक सहभागिता कर मां भगवती के श्रीचरणों में शीश नवाया। उन्होंने करनालवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर विकास की कामना करते हुए माता रानी से नगर पर कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की। समाजसेवी ईशान की सुपुत्री अनिका के जन्मदिवस पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में महापौर ने कहा कि बेटियां परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए परिवारों में संस्कार और आध्यात्मिक वातावरण का होना अत्यंत आवश्यक है।

कनिका नीट में उच्च रैंक लाने के लिए सम्मानित

तरावड़ी। नरसिंह दास पब्लिक स्कूल का दिन बहुत गौरवशाली रहा । क्योंकि नीट परीक्षा में शानदार परिणाम हासिल करने वाले विद्यार्थी को उसके विद्यालय द्वारा सम्मानित किया जाना एक गौरवशाली परंपरा है। नरसिंह दास पब्लिक स्कूल की विद्यार्थी कनिका ने इसी गौरवशाली परंपरा को निभाने का अवसर दिया। हरियाणा के टॉप रैंकर में कनिका ने अपना नाम शामिल किया तथा सरकारी कॉलेज में एडमिशन के लिए खुद को निश्चित किया। कनिका के पिता राजीव कुमार तथा भाई केशव ने उनकी सफलता का श्रेय बेटी की कड़ी मेहनत, अनुशासन को दिया। उन्होंने कहा उनकी बेटी ने नियमित अध्ययन और लगन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कुश्ती प्रतियोगिता में बिपाची ने जीता रजत

इंटर कॉलेज कुश्ती में भी स्वर्ण पर कब्जा, छात्रा की दोहरी उपलब्धि से कॉलेज में जश्न

कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्य डॉ. चुहड़ सिंह ने छात्रा का स्वागत कर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। पदक विजेता छात्रा बिपाची का सम्मान करते कॉलेज प्राचार्य।

तरावड़ी। एसएमएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल में प्रतियोगिता मे भाग लेते विद्यार्थी।

गुरु नानक खालसा कॉलेज की होनहार खिलाड़ी एवं बीए प्रथम वर्ष की छात्रा बिपाची ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कुश्ती प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर कॉलेज और जिले का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही उन्होंने इंटर कॉलेज कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सत्र की शुरुआत में मिली इस दोहरी सफलता से कॉलेज परिवार में खुशी का माहौल है।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. चुहड़ सिंह ने बताया कि बिपाची की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि कॉलेज की ओर से छात्रा को जिम, आर्थिक सहायता, पुस्तकें तथा खेल से जुड़ी हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वह भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन कर सके। कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्य डॉ. चुहड़ सिंह तथा डीपी वजीर सिंह ने छात्रा का स्वागत कर सम्मानित किया। बिपाची ने बताया कि वह रोहतक में अपनी कोच तथा ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक के निर्देशन में प्रशिक्षण ले रही हैं। उनका अंतिम लक्ष्य ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का तिरंगा बुलंद करना है, जिसके लिए वह दिन-रात कड़ी मेहनत कर रही हैं। गांव नरूखेड़ी निवासी बिपाची वर्तमान में गुरु नानक खालसा कॉलेज से शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार कंवरजीत सिंह प्रिंस ने प्राचार्य डॉ.

शतरंज में नील गिरी हाउस की शानदार जीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

शतरंज विद्यार्थियों के विकास का सर्वोत्तम माध्यम

विद्यालय की प्राचार्या डॉ. विभा कौशिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, शतरंज विद्यार्थियों के मानसिक विकास का सर्वोत्तम माध्यम है। यह खेल धैर्य, अनुशासन, एकाग्रता और दूरदर्शिता का पाठ पढ़ाता है। ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना करना और सोच-समझकर निर्णय लेना सिखाती हैं। ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी विकसित करती हैं।

एसएमएस मैमोरियल पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, तार्किक सोच एवं निर्णय लेने की योग्यता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों अरावली, शिवालिक, नीलगिरि एवं हिमालय हाउस के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी एकाग्रता, धैर्य, रणनीति और सूझबूझ का शानदार प्रदर्शन किया। मुकाबला अत्यंत रोमांचक रहा, जहाँ प्रतिभागियों ने अपनी बुद्धिमत्ता और मानसिक कौशल से सभी को प्रभावित किया। विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने प्रतियोगिता को रोचक एवं प्रेरणादायक बना दिया। कड़े मुकाबलों के बाद नीलगिरि हाउस ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता की ओवरऑल ट्रॉफी अपने नाम की। विजेता हाउस के विद्यार्थियों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला।

करनाल। स्वच्छता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

नुक्कड़ नाटकों से दिया स्वच्छता का संदेश

करनाल। नगर निगम आयुक्त सलोनी शर्मा के निर्देशानुसार नगर निगम करनाल द्वारा 'सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ' अभियान पूरे शहर में तेज गति से चलाया जा रहा है। अभियान 31 जुलाई तक जारी रहेगा। राम नगर, कर्ण गेट बाजार, नेहरू पैलेस मार्केट और सेक्टर-7 मार्केट में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को डायरिया सहित मौसमी बीमारियों से बचाव और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही हरे, नीले, लाल और काले रंग के कूड़ेदानों के सही उपयोग तथा कचरा पृथक्करण की जानकारी दी गई। नगर निगम की टीम स्कूलों, स्लम बस्तियों और बाजारों में भी जागरूकता अभियान चला रही है। सार्वजनिक शौचालयों की विशेष सफाई के साथ कंपोस्टेबल बैग और कपड़े के थैले भी वितरित किए जा रहे हैं ताकि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम हो सके।

करनाल। एमडीडी बाल भवन में बच्चों से संवाद करते जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शारदा। फोटो : हरिभूमि

बच्चों को पोक्सो कानून की दी जानकारी

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव ने एम.डी.डी. बाल भवन का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों से संवाद कर शिक्षा के महत्व, पोक्सो अधिनियम, यौन उत्पीड़न से बचाव, कुपोषण, पौष्टिक आहार तथा नशीले पदार्थों से दूर रहने के बारे में जानकारी दी। ए.डी.आर. सेंटर में विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को भी किशोर न्याय अधिनियम, किशोरों के अधिकार और नशा निषेध संबंधी जानकारी देकर जागरूक किया गया।

साध्वी निरंजन ज्योति के अभिनंदन समारोह की सफलता पर कार्यकर्ताओं का सम्मान

■ बैठक में अनूप भारद्वाज कश्यप बोले : समाज की एकजुटता से होंगे जनहित के बड़े आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। आभार बैठक में उपस्थित समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति के सेक्टर-14 स्थित कृष्ण मंदिर में आयोजित अभिनंदन समारोह की सफलता पर ऑल इंडिया कश्यप राजपूत पंजाबी वेलफेयर सोसाइटी की ओर से आभार बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के आयोजक अनूप भारद्वाज कश्यप ने की।

बैठक में समारोह को सफल बनाने में योगदान देने वाले पदाधिकारियों, समाज के वरिष्ठजनों और कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए उनका आभार व्यक्त किया गया। अनूप भारद्वाज कश्यप ने कहा कि किसी भी बड़े सामाजिक आयोजन की सफलता सामूहिक प्रयास और संगठन की मजबूती का परिणाम होती है। इस अवसर पर मनोज भल्ला (प्रधान, स्वर्णकार संघ), बूटा राम धीर, राजेश सैनी (जिला अध्यक्ष, ओबीसी मोर्चा, बीटीपी), मोहन लोधी, राम भगत वर्मा, नगर पार्षद सुधीर यादव, रामकुमार कश्यप, बलजिन्द्र कश्यप, तरसेम कश्यप आदि रहे।

रणजीत भारद्वाज बने तरावड़ी भाजपा मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

करनाल। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष रणजीत भारद्वाज का स्वागत भाजपाई।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा संगठन का विस्तार करते हुए सामाजिक क्षेत्र में निरंतर सक्रिय एवं पार्टी के समर्पित वरिष्ठ कार्यकर्ता रणजीत भारद्वाज को तरावड़ी भाजपा मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार सौंपा गया है। उनके लंबे समय से पार्टी के प्रति समर्पण, निष्ठा और सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। रणजीत भारद्वाज लंबे समय से भाजपा से जुड़े रहे हैं और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में भी प्रमुख भूमिका निभाते हुए जनसेवा के कार्यों में अग्रणी रहे हैं। उनके मंडल अध्यक्ष बनने से स्थानीय कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर की विशेष उपस्थिति में एक भव्य स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर एवं उपस्थित अन्य वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने रणजीत भारद्वाज को फूल-मालाएं पहनाकर, बुके (गुलदस्ता) भेंट कर और मिठाई खिलाकर इस नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त मंडल कार्यकारी अध्यक्ष रणजीत भारद्वाज ने शीर्ष नेतृत्व एवं जिलाध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहना होगा। इस मौके पर जिला महामंत्री सुभाष कश्यप, जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर, जिला उपाध्यक्षा संयोगिता गुप्ता, मार्किट कमेटी तरावड़ी चेयरमैन रणदीप चौधरी, वरिष्ठ कार्यकर्ता राकेश गर्ग, मंडल उपाध्यक्ष संजय सेन, बृजमोहन गर्ग आदि रहे।

करनाल। सेक्टर-4 पार्क में पौधरोपण करते पर्यावरण संरक्षण समिति के सदस्य।

देवशयनी एकादशी पर 555 पौधे लगाने का संकल्प, पर्यावरण संरक्षण का संदेश

करनाल। पर्यावरण संरक्षण समिति पंजीकृत करनाल ने देवशयनी एकादशी के अवसर पर सेक्टर-4 स्थित पार्क में पौधारोपण अभियान चलाया। समिति सदस्यों ने आम, अमरूद, जामुन, नीम, सुहांजना, पपीता, गुड़हल और गुलमोहर सहित विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए। समिति के चेयरमैन एस.डी. अरोड़ा ने कहा कि पहले प्राकृतिक जल स्रोत स्वच्छ रहते थे, लेकिन अब प्रदूषण के कारण उनकी स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने बताया कि जामुन के पेड़ों में प्राकृतिक जीवाणुरोधी गुण होते हैं, जो जल संरक्षण में सहायक हैं। उपाध्यक्ष राम रतन अत्री ने कहा कि रासायनिक प्रदूषण और कृत्रिम उर्वरकों के बढ़ते उपयोग से पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। समिति ने मानसून के दौरान 555 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है और लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की।

रोटरी क्लब मिडटाउन ने स्थापना दिवस पर सेवाभाव का दिया संदेश

■ सरकारी स्कूल को भेंट किए पंखे, कुर्सियां और दरियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। स्थापना दिवस कार्यक्रम में मौजूद रोटरी क्लब के पदाधिकारी।

रोटरी क्लब करनाल मिडटाउन का स्थापना समारोह शनिवार को एक निजी होटल में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम के सामूहिक गायन से हुआ। मंच संचालन रोटेरियन जीपी सिंह ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पीडीजी रमन अनेजा तथा विशिष्ट अतिथि डीजीएन धीरज मिगलानी मौजूद रहे। इसके अलावा डिप्टी गवर्नर सुमित मित्तल, पास्ट प्रेजिडेंट संदीप जैन, जेडएलएफ रंजन शर्मा सहित विभिन्न क्लबों के पदाधिकारी एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने क्लब के नवनियुक्त प्रधान दिनेश गुप्ता, सचिव अनुज सिंगला तथा कोषाध्यक्ष अनिल गुप्ता को शुभकामनाएं दीं।

करनाल। सांसद सतीश गौतम एवं सांसद अनूप प्रधान से मुलाकात करतीं महापौर रेणु बाला गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली प्रवास के दौरान महापौर ने सांसदों से की मुलाकात, विकास पर हुई चर्चा

करनाल। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने दिल्ली प्रवास के दौरान अलीगढ़ के सांसद सतीश गौतम और हाथरस के सांसद अनूप प्रधान से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान जनहित, संगठनात्मक गतिविधियों और विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। महापौर ने कहा कि करनाल शहर के समग्र विकास, नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और नगर निगम क्षेत्र को आधुनिक एवं व्यवस्थित बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने सांसदों को नगर निगम की वर्तमान विकास परियोजनाओं और भविष्य की योजनाओं की जानकारी भी दी तथा कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास कार्यों को और गति मिलेगी।

दयाल सिंह पब्लिक स्कूल में अरावली सदन ने मनाया कारगिल विजय दिवस

■ कारगिल विजय दिवस अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। कारगिल विजय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करतीं प्राचार्या सुषमा देवगन।

दयाल सिंह पब्लिक स्कूल, दयाल सिंह कॉलोनी में अरावली सदन की ओर से कारगिल विजय दिवस देशभक्ति और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम के तहत कक्षा छठी और सातवीं के विद्यार्थियों ने 'हमारे वीर सैनिकों के नाम पत्र' लेखन गतिविधि में भाग लिया। कक्षा आठवीं और नौवीं के विद्यार्थियों के लिए 'हमारे सैनिक राष्ट्र के सच्चे नायक' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं कक्षा नौवीं और दसवीं के विद्यार्थियों ने अंतरसदनीय हिंदी देशभक्ति काव्य पाठ प्रतियोगिता में ओजपूर्ण प्रस्तुतियां देकर वीर सैनिकों के शौर्य और बलिदान को याद किया। विद्यालय की प्राचार्या सुषमा देवगन और मुख्य अध्यापिका प्रिया कपूर ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई दी।

फूलों से सजा बाबा श्याम का दरबार, भजन-कीर्तन में झूमे श्रद्धालु

देवशयनी एकादशी पर खाटू श्याम मंदिर में उमड़े भक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

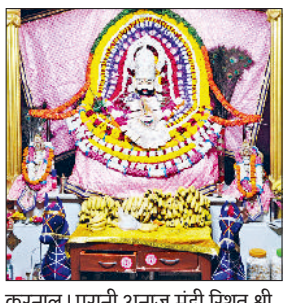

करनाल। पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में देवशयनी एकादशी पर पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

शहर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में शनिवार को देवशयनी एकादशी श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बाबा श्याम के दरबार और मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सुबह से लेकर देर शाम तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर बाबा श्याम के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर के पुजारी पंडित दीपक पांडे ने बताया कि देवशयनी एकादशी भगवान विष्णु योगनिद्रा में प्रवेश करते हैं, इसलिए इस तिथि का विशेष धार्मिक महत्व है। उन्होंने कहा कि इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना तथा व्रत को समर्पित अत्यंत पावन तिथि मानी जाती है। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर भगवान विष्णु

श्रद्धालुओं आस्था के साथ किया कीर्तन

देवशयनी एकादशी के उपलक्ष्य में मंदिर में भव्य भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। भजनों और बाबा श्याम के गुणगान से पूरा मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ कीर्तन में भाग लिया और भगवान विष्णु व बाबा श्याम की आराधना की। मंदिर कमेटी की ओर से सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। मंदिर के मुख्य सेवक देसराज गुप्ता ने बताया कि श्री खाटू श्याम मंदिर में प्रत्येक एकादशी पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है। करनाल ही नहीं बल्कि दूर-दराज क्षेत्रों से भी श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से बाबा श्याम की आराधना करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मंदिर कमेटी की ओर से श्रद्धालुओं के लिए दर्शन, प्रसाद और अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य सेवक देसराज गुप्ता, राजेश गर्ग, महेंद्र गुप्ता, अनिल गर्ग, रामकरण गोयल, अशोक सिंघला, विशाल गुप्ता, अरविंद गुप्ता, अनुपम त्रिपाठी, पंडित उमेश पांडे, पवन गुप्ता, राजेश सिंघला और हरीश आदि रहे।

खबर संक्षेप

सीआईए थ्री पुलिस ने नशा तस्कर गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए थ्री पुलिस ने चंदौली से बबैल रोड पर जुनैद पुत्र जमशेद निवासी गांव मुंडी गढ़ी जिला करनाल को 14.9 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार किया। वहीं, थानेदार सुभाष ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना हुडा सेक्टर 13/17 में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। वहीं जुनैद को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस जुनैद के साथियों को पकडने का प्रचास करेगी।

आईबी कॉलेज में स्पीकाथॉन कार्यशाला

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज, में प्लेसमेंट एवं करियर गाइडेंस सेल तथा मेधा के संयुक्त तत्वावधान में स्पीकाथॉन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बीए, बीकॉम, बीसीए एवं बीएससी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों के सार्वजनिक वक्तृत्व, प्रभावी संचार, आत्मविश्वास एवं मंच संचालन क्षमता का विकास करना था। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सतवीर सिंह, प्लेसमेंट एवं करियर गाइडेंस सेल की संयोजिका डॉ. अर्पणा गर्ग, मेधा की ओर से अमन, हसीब, प्रिंस आदि उपस्थित रहे।

किसानों को दस्तावेज जमा करने का अंतिम अवसर दिया

पानीपत। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने और किसानों की खेती को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से संचालित एसएमएएम योजना के तहत कृषि विभाग ने पात्र किसानों को दस्तावेज जमा करने का अंतिम अवसर दिया है। जिन किसानों ने रोटावेटर, कंप्यूटर गोड़ी सहित 25 प्रकार के कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन तो किया, लेकिन आवश्यक दस्तावेज़ अपलोड नहीं कर पाए या उनका आवेदन अधूरा रह गया, वे अब 27 जुलाई सायं तीन बजे तक अपने दस्तावेज़ कृषि विभाग कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

युवाओं के संघर्ष की जीत हुई: डॉ. पंवार

पानीपत। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ.ओमवीर सिंह पंवार ने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा युवाओं और छात्रों की एकजुटता व लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत है। उन्होंने जनआंदोलन में डटे सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के नेतृत्व में युवाओं और आम नागरिकों के अधिकारों की लड़ाई सडक़ से लेकर सदन तक मजबूती से लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति की आवाज लोकतंत्र की असली ताकत है जिसे दबाया नहीं जा सकता।

उद्योगों में लेबर वेजेज कोड का पालन हो: उषा

पानीपत। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन उषा प्रियदर्शनी ने पानीपत के विभिन्न औद्योगिक संस्थानों का दौरा किया। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि सभी सरकारी एवं निजी संस्थानों को अपनी आंतरिक शिकायत समिति (इंटरनल कमेटी) का गठन किया जाए। उन्होंने एक निजी कंपनी का निरीक्षण किया, जिसमें अनेक अनियमितताएं पाई गईं। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि श्रम वेतन संहिता (लेबर वेजेज कोड) के प्रावधानों का समुचित एवं प्रभावी ढंग से पालन नहीं किया जा रहा है।

मनोहर लाल को सम्मानित किया

पानीपत। एलआईसी पानीपत-वन शाखा में आयोजित समारोह में एलआईसी करनाल मंडल के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक पवन कुमार रोड़, मैनेजर सेल्स नवीन सलूजा, शाखा प्रबंधक सुधीर राणा, मैनेजर मयंक गुप्ता, विकास अधिकारी राजेश खोखर सहित बीमा अभिकर्ता एवं बीमा सखियां उपस्थित रहीं। वहीं, कार्यक्रम में वरिष्ठ अभिकर्ता मनोहर लाल नूरवाला पानीपत को बीमा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विशेष अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

शहीदों को नमन किया

समालखा। आशा दीप आदर्श हाई स्कूल गांव करहंस में कारगिल विजय दिवस श्रद्धा के साथ मनाया गया। शिक्षाविद् एवं प्रेरक वक्ता डॉ.मुकेश कुमार की उपस्थित में शहीदों के चित्रों पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्ज्वलन किए गए।

बैठक में मंत्री मनोहर ने योजनाओं की प्रगति जांची

स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ व डिजिटल बनाया जाए: मनोहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

जिला सचिवालय में दिशा की बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल।

केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री एवं करनाल लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनोहर लाल ने कहा कि देश हित हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आंगनबड़ी विभाग में अटेंडेंस पूरी नहीं होगी, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर सर्वे करवाया जा रहा है। मंत्री मनोहर लाल शनिवार को जिला सचिवालय सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न विभागों की विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा की। बैठक में 20 सूत्रीय एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई तथा पिछली दिशा बैठक में दिए गए निर्देशों पर हुई कार्रवाई का भी मूल्यांकन किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग नियमित रूप से योजनाओं की समीक्षा करे और तय समय सीमा में लक्ष्यों को पूरा करे। उन्होंने कहा कि योजनाओं की जमीनी स्थिति जानने के लिए लगातार सर्वे कराए जा रहे हैं और जहां भी कमियां मिलेंगी, वहां तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ व डिजिटल बनाया जाए। बैठक में उपायुक्त डॉ. वशिष्ठ ने भी योजनाओं को बेहतर बनाने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव मंत्री मनोहर लाल दिए। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, शहरी विधायक प्रमोद विज, समालखा विधायक मनमोहन भड़ाना, मेयर कोमल सैनी, जिला परिषद चेयरमैन ज्योति शर्मा, सांसद प्रतिनिधि गजेंद्र सलूजा, मीना आदि उपस्थित रहे।

अंतिम व्यक्ति के उत्थान का संकल्प है अंत्योदय

समालखा। पानीपत के चुलकाना और बराना गांव में आयोजित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन समारोह में भारत सरकार के ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संजय भाटिया, समालखा विधायक मनमोहन भड़ाना, केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि गजेंद्र सलूजा, गांव के सरपंच सतीश छोक्कर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि अंत्योदय का वास्तविक अर्थ है समाज के अंतिम व्यक्ति का भी उदय और उत्थान सुनिश्चित करना है। जब तक सबसे पिछड़े और जरूरतमंद व्यक्ति तक विकास का लाभ नहीं पहुंचता, तब तक विकास की अवधारणा अधूरी रहती है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय की इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न गांवों में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि बेटियां और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने बताया कि शुरुआत में 75 गांवों में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने की योजना बनाई गई है। वहीं, आठ अन्य केंद्र प्रस्तावित हैं। प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा चलाई गई इस मुहिम की खुले मन से प्रशंसा की ओर कहा कि इससे महिलाओं में स्वरोजगारों के प्रति रुचि पैदा होगी और उन्हें स्वावलंबी बनने के अवसर प्राप्त होंगे। राज्यसभा सांसद संजय भाटिया ने कहा कि अंत्योदय का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उत्थान करना है।

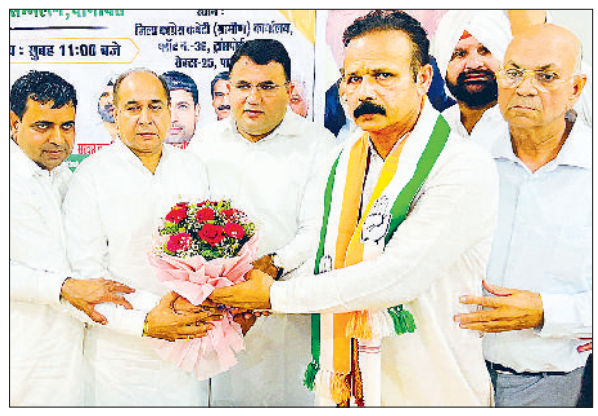
पानीपत। कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष व विधायक चंद्र प्रकाश का स्वागत करते हुए जिलाध्यक्ष पानीपत ग्रामीण रमेश मलिक आदि। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस की रीढ़ है ओबीसी वर्ग

- कांग्रेस का जिला स्तरीय ओबीसी कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

कांग्रेस पानीपत ग्रामीण कार्यालय में शनिवार को जिला स्तरीय ओबीसी कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रमेश मलिक ने की। वहीं, सम्मेलन में मुख्यातिथि ओबीसी विभाग, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चेयरमैन एवं आदमपुर विधायक चंद्र प्रकाश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा ओबीसी समाज की हितैषी रही। वहीं, ओबीसी समाज कांग्रेस की रीढ़ है और आने वाले समय में ओबीसी विभाग की एक मजबूत, सक्रिय एवं समर्पित टीम तैयार की जाएगी, जो जनता की आवाज बनकर पार्टी की नीतियों एवं जनहित के मुद्दों को घर-घर तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहाकि ओबीसी वर्ग के युवाओं, महिलाओं एवं समाज के प्रत्येक वर्ग को संगठन में अधिक से अधिक भागीदारी देने पर विशेष जोर दिया गया। वहीं, कांग्रेस पार्टी सामाजिक न्याय, समान अवसर और संविधान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है। बैठक में बैठक में पूर्व मंत्री बिजेंद्र कादियान, सचिन कुंडू, बलबीर बाल्मीकि, स. बलजीत सिंह, दीपक खटकड़, कवर सिंह छोक्कर, खुशीराम जागलान, धर्मवीर मलिक, मोहकम छोक्कर, डॉ ओमबीर पंवार, सतेंद्र जांगड़ा, डॉ जगबीर आदि उपस्थित रहे।

बेटियां स्वरोजगार आत्मनिर्भर बनें

- इनर व्हील क्लब ने महिला सिलाई एवं प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत। इनर व्हील क्लब की पदाधिकारी महिला सिलाई व प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

इनर व्हील क्लब पानीपत की अध्यक्ष अलका भाटिया के नेतृत्व में क्लब ने अपने नए कार्यकाल का महत्वपूर्ण सेवा प्रकल्प प्रोजेक्ट स्वाभिमान महिला सिलाई एवं प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया है। वहीं, इस परियोजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लड़कियों और महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और सम्मानपूर्वक आजीविका अर्जित करने के लिए सशक्त बनाना है। वहीं, केंद्र का शुभारंभ इनर व्हील इंटरनेशनल की उपाध्यक्ष सरिता लुनानी व जिलाध्यक्ष किरण जैन ने संयुक्त रूप से किया। दोनों अतिथियों ने इस नेक पहल की सराहना करते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए क्लब के प्रयासों की सरहाना की। वहीं, यह केंद्र आर्य समाज मंदिर में संचालित होगा और विद्यार्थियों व स्टाफ के लिए साठ बेडशीट्स भी दी गई। इधर, क्लब की अध्यक्ष अलका भाटिया ने कहा कि इनर व्हील क्लब का उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर देना भी है। इस अवसर पर क्लब की अनुराधा कालड़ा, नीरू गुगलानी, डॉ. गीता गुप्ता, माला अवस्थी, अमिता ढींगरा, अनिता कपूर आदि उपस्थित रही।

सैनी सेवा ट्रस्ट ने जरूरतमंदों को राशन बांटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा

पानीपत। सैनी सेवा ट्रस्ट कार्यक्रम में जरूरतमंद परिवार राशन ग्रहण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पानीपत के गांव देहरा में सैनी सेवा ट्रस्ट ने 40 जरूरतमंद परिवारों को सहायतार्थ राशन और दैनिक प्रयोग में आने वाला सामान भेंट किया। जबकि 25 बुजुर्गों को उनकी आवश्यकतानुसार दवाइयां दिलवाई गई, ताकि बुजुर्गों को अपना उपचार कराने में आर्थिक परेशानी ना हो। वहीं, सैनी सेवा ट्रस्ट ने नेत्र जांच शिविर का भी करवाया। जिसमें चिकित्सक ने दृष्टि संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों की जांच की। वहीं जांच में जिन लोगों की नजर कमजोर पाई गई, उन्हें चश्मे और आवश्यक नेत्र दवाइयां भी सहायतार्थ भेंट की गई। जबकि ट्रस्ट की ओर से जरूरमंद महिला पूनम देवी को दैनिक जीवन में सुविधा के लिए एक व्हीलचेयर और टायलेट सीट भेंट की गई। इस अवसर पर सैनी सेवा ट्रस्ट की चेयरपर्सन माया देवी ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से अपील की कि वे आगे आकर गरीब, बुजुर्ग और असहाय लोगों की मदद करें। उन्होंने कहा कि सेवा, सहयोग और मानवता की भावना से ही समाज को अधिक सशक्त और संवेदनशील बनाया जा सकता है। इधर, ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि सैनी सेवा ट्रस्ट भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों की सेवा जारी रखेगा। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारी मोहन लाल, टोनी, मोहित, नीतीश, निशा, करण सिंह सैनी, नरेश, जयभगवान आदि उपस्थित रहे।

पानीपत पुलिस की एंटी एक्सटॉर्शन सेल का शुभारंभ

- रंगदारी व संगठित अपराध पर होगी तत्वरित व कड़ी कार्रवाई : एसपी सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत। पुलिस की एंटी एक्सटॉर्शन सेल का शुभारंभ करते हुए पुलिस कप्तान भूपेंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा संगठित अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से हुडा सेक्टर-6 स्थित पुलिस भवन में एंटी एक्सटॉर्शन सेल (स्पेशल स्टाफ) की स्थापना की गई। शनिवार को पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह द्वारा विधिवत रिबन काटकर सेल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डीएसपी नरेंद्र कुमार, मुकेश कुमार तथा विभिन्न थानों के प्रबंधक, क्राइम युनिट प्रभारी व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहें। वहीं, पुलिस कप्तान सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आमजन की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना पानीपत पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एंटी एक्सटॉर्शन सेल रंगदारी, फिरौती, धमकी, संगठित अपराध तथा अपराधियों द्वारा फोन, सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से की जाने वाली अवैध वसूली संबंधी शिकायतों पर विशेष रूप से कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि इस सेल के माध्यम से ऐसे मामलों की त्वरित, निष्पक्ष एवं तकनीकी आधार पर जांच सुनिश्चित की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस अवसर पर एंटी एक्सटॉर्शन सेल इंचार्ज अनिल पंवार आदि उपस्थित रहे।

मारपीट में महिला समेत तीन घायल

पानीपत। पानीपत की कश्यप कॉलोनी में पुरानी रंजिश के चलते लक्ष्मण इसकी मां गुड्डी व पडोसी सागर को मारपीट कर घायल कर दिया गया। हमलावर जब लक्ष्मण व गुड्डी के साथ मारपीट कर रहे थे तो सागर बीचबचाव करने आया था। इधर, पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। वहीं, घायलों के परिजन प्रवीण ने जोहरा, विशाल, लाडी, सतबीर, अक्षय, नीलम, निर्मला, जागो, अजय, अजीत, अरुण, गौरव, बलराज आदि के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस को लिखित शिकायत दी है।

खिलाड़ी हितैषी है नायब सरकार: डॉ. गुप्ता

पानीपत। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि नायब सरकार द्वारा स्कूलों के खिलाड़ियों का डिजिटल स्पोर्ट्स रिकॉर्ड तैयार करने तथा प्रत्येक खिलाड़ी का ऑनलाइन सत्यापन एवं पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्णय भविष्य के लिए एक मजबूत और पारदर्शी खेल व्यवस्था की नींव रखेगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में लिया गया यह फैसला खेलों में ईमानदारी, निष्पक्षता और प्रतिभा के सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि डिजिटल व्यवस्था लागू होने से फर्जी प्रमाणपत्र, आयु में हेरफेर और कागजी अनियमितताओं पर रोक लगेगी। वहीं, इससे पात्र खिलाड़ियों को ही अवसर मिलेगा तथा प्रतिभा का सम्मान सुनिश्चित होगा। सरकार खिलाड़ी हितैषी है।

एचएनसीबी ने नार्को डॉग के साथ सर्च अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की करनाल युनिट की टीम ने पानीपत के गांव उग्राखेडी के रकबे में स्थित काला आम्ब रोड के क्षेत्र में इंस्पेक्टर ऋषिपाल के नेतृत्व में नार्को डॉग ब्रूनो एवं डॉग हैंडलर कांस्टेबल सचिन दयाल सिंह के साथ काला आंब क्षेत्र के आस-पास के खाली पड़े खंडहरों, सुनसान कमरों एवं अन्य संदिग्ध स्थानों पर गहन तलाशी अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य ऐसे स्थानों की पहचान करना था, जहां असामाजिक तत्व नशीले पदार्थों का सेवन अथवा अवैध गतिविधियों को अंजाम देने का प्रयास कर सकते हैं। वहीं, अभियान के दौरान कोई भी मादक पदार्थ अथवा अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई।

पानीपत में तीन रेलवे ओवर ब्रिज पर लगेंगे व्यू कटर

- विधायक प्रमोद विज ने जारी करवाया टेंडर, चार करोड़ लागत आएगी, पुल पर वाहनों के आवागमन का नहीं होगा शोर, जनता को नहीं होगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

प्रमोद विज।

पानीपत शहर विधानसभा के तीन प्रमुख मार्गों पर स्थित रेलवे ओवर ब्रिज पर शीघ्र की व्यू कटर लगाने का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी के समक्ष बीते दिनों विधायक प्रमोद विज ने शहर को ध्वनि प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में इस प्रोजेक्ट का प्रोपोजल रखा था जिस पर सरकार ने स्वीकृति प्रदान करते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग के माध्यम से तीनों ब्रिजस पर व्यू कटर लगाने हेतु चार करोड़ की राशि से टेंडर जारी कर दिया है। विधायक प्रमोद विज ने बताया कि असंध रोड ओवर ब्रिज पर व्यू कटर 1.20 करोड़ की लागत से एवं जाटल रोड पर 1.18 करोड़ की लागत एवं गोहाना रोड पर 1.42 करोड़ की लागत से व्यू कटर लगाने का कार्य किया जाएगा। यह व्यू कटर लगने के बाद पुल से गुजरने वाले वाहनों का शोर आसपास की कॉलोनियों तक नहीं जाएगा तथा शहरवासियों को रात के समय व्यू कटर लगने से विशेष राहत मिलेगी। अक्सर रात के समय पुल पर वाहन गुजरने से पुल पर शोर होता था जिससे स्थानीय जनों को अक्सर परेशानी होती थी। अब यह व्यू कटर लगने से स्थानीय जनों को समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा, वे मुख्यमंत्री नायब सैनी एवं पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर रणबीर गंगवा का इस विशेष सौगात हेतु आभार व्यक्त करते हैं।

श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव में गीता का संदेश देंगे स्वामी ज्ञानानंद

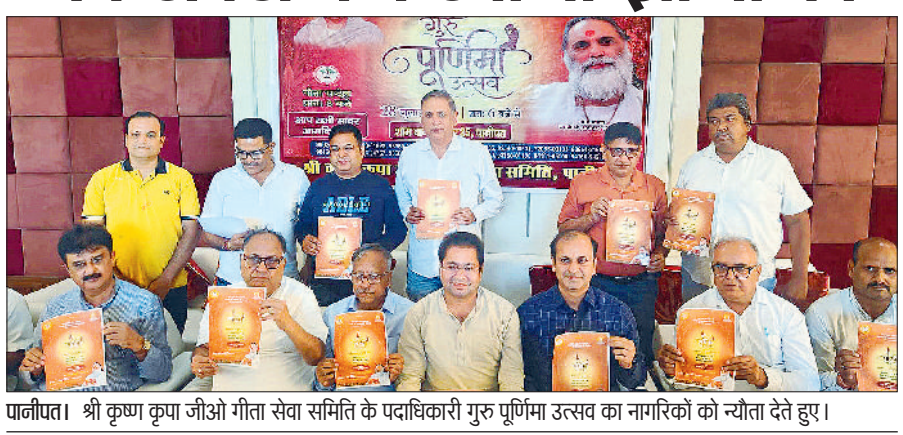

पानीपत। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता सेवा समिति के पदाधिकारी गुरु पूर्णिमा उत्सव का नागरिकों को न्यौता देते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता सेवा समिति के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन श्याम बाग में मंगलवार को होगा। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज द्वारा हवन से प्रारंभ होगा। वहीं, स्वामी ज्ञानानंद गीता संदेश देंगे। इधर, श्याम बाग में आयोजित प्रेस वार्ता में श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता सेवा समिति के सेवक चंद्रशेखर शर्मा, विभु पालीवाल, सुरेश अरोड़ा, अंकुश बंसल, सुनील ग्रोवर, विपिन सरदाना, अनिल मदान, विकास गोयल, गुलशन चुघ, प्रीतम गुर्जर, राजकुमार झाम्ब, राजू शर्मा, नवीन बत्रा, अवनीश ठाकुर, पंकज वर्मा, सन्नी वर्मा, ओम प्रकाश सचदेवा, कंवर रविंद्र सैनी ने बताया कि कार्यक्रम में बडी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे।

12 अगस्त को जर्जिस को कोर्ट में पेश होने के आदेश,

पानीपत। भगवान श्रीकृष्ण पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पानीपत की अदालत ने उत्तर प्रदेश के इटावा निवासी मौलाना जर्जिस अंसारी को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने मुस्लिम लीगल एड ट्रस्ट इंडिया की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए मौलाना को 12 अगस्त को अदालत में पेश होने के निर्देश दिए है। वहीं, मुस्लिम लीगल एड ट्रस्ट इंडिया के चेयरमैन मोमिन मलिक ने बताया कि मौलाना जर्जिस के इस बयान से न केवल हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं, बल्कि मुस्लिम समाज की छवि भी प्रभावित हुई है। स्मरणीय है कि 23 जून को झारखंड में दिए गए धार्मिक भाषण में चतुर्वेदी टाइटल लगाने वाले मौलाना अंसारी ने श्रीमद्भगवद्गीता के एक श्लोक पढ़ते हुए भगवान श्रीकृष्ण को मुसलमान व पांच वक्त का नवाजी बताया था। वहीं मलिक ने बताया कि मौलाना जर्जिस अंसारी को पहले इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और अपना बयान वापस लेने की चेतावनी दी गई थी। ट्रस्ट का कहना है कि निर्धारित समय में माफी या बयान वापस नहीं लेने पर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय बापौली (पानीपत) में 8 कडम कमरों की क्षतिग्रस्त करने हेतु खुली बोली दिनांक 30-07-2026 को प्रातः दोपहर 12 बजे विद्यालय के प्रांगण में की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता बोली में भाग लेने हेतु आमंत्रित हैं। बोली की अन्य शर्ते मौके पर सुना दी जाएंगी। किसी भी तरह की जानकारी के लिए विद्यालय कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में संपर्क कर सकते हैं।
मुख्यापक/प्रधानाचार्य
राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय बापौली /राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बापौली (पानीपत)

खबर संक्षेप

एक्टिवा चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने नावल्टी चौक के पास से हुई एक्टिवा चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई एक्टिवा भी बरामद कर ली है। शिकायतकर्ता मोनू कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि 4 जुलाई 2026 को किसी व्यक्ति ने उनकी एक्टिवा चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तफ्तीश शुरू की गई थी। आरोपियों को अब जेल दिया गया है।

हेरोइन तस्करी मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। एंटी-नारकोटिक्स सैल की टीम ने नशा तस्करी के एक मामले में गहन तफ्तीश करते हुए संलिप्त एक अन्य मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गौरतलब है कि दिनांक 23 जुलाई 2026 को ल जांच टीम ने गश्त और चेकिंग के दौरान थाना सेक्टर-9 क्षेत्र से आरोपी गौरव और हिमांशु को 60 ग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी गौरव कुमार का रिमांड प्राप्त किया गया था जबकि हिमांशु को न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया था। मामले की कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए जांच टीम ने ठोस कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के एक और आरोपी को काबू किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान रोहित कुमार उर्फ घोडा निवासी घनौर, जिला पटियाला के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी से गहन पूछताछ कर मामले से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई गई हैं।

हेरोइन के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेश नगर पुलिस की टीम ने तत्परता दिखाते हुए एक नशा तस्कर को हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजने में सफलता हासिल की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि हेरोइन की एक खेप आने वाली है। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ने गांव चांदपुरा मोड़ के पास से आरोपी को धर दबोचा। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 18 ग्राम 20 मिलीग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की गई। पकड़े गए आरोपी की पहचान गुरप्रीत सिंह वासी गांव उप्पल, थाना वेरोवाल, जिला तरनतारन, पंजाब के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना महेश नगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को रिमांड पर लिया गया है।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे से विपक्ष को मिली संजीवनी

अंबाला। नई दिल्ली के जंतर मंतर पर नीट पेपर लीक और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर पिछले 32 दिन से लगातार छात्र आंदोलन कर रहे थे। आंदोलन कर रहे छात्रों के दबाव में आज केंद्रीय शिक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा दे दिया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को विपक्षी दल के ज्यादातर नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत करार दिया है। युवाओं की इस जीत पर विपक्षी दलों के तमाम नेता बेहद उत्साहित हैं। इस आंदोलन में देश के सभी विपक्षी दलों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया था। देश के सभी छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ जमकर मोर्चा खोल दिया था। जिसके चलते आज केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा देने को मजबूर हो गए।

शिक्षकों के साथ छात्रों ने खालसा कॉलेज के पुस्तकालय का किया भ्रमण, ली जानकारी

बराड़ा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के राष्ट्रीय पठन दिवस एवं पठन माह अभियान के अंतर्गत लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन अधोया के

छात्र-शिक्षकों एवं स्टाफ ने एसएमएस खालसा लबाना कॉलेज के केंद्रीय पुस्तकालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन संस्कृति को बढ़ावा देना, आधुनिक पुस्तकालय प्रणाली से परिचित कराना तथा डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग की जानकारी देना रहा। प्राचार्य डॉ. दिलप्रीत विर्क, पुस्तकालयाध्यक्ष सीमा सैनी एवं स्टाफ ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने पुस्तकालय की आधुनिक सेवाओं, डिजिटल सुविधाओंकी विस्तृत जानकारी दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

सुहाना होगा सफर, बिना बस बदले 9 घंटे में सीधे पहुंचे बांके बिहारी धाम

अंबाला से मथुरा-वृंदावन के लिए सीधी एसी बस सेवा शुरू

प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे से चलेगी, नौ घंटे के सफर के बाद दोपहर 2:30 बजे गंतव्य पर पहुंचेगी, जिलावासियों को मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

परिवहन मंत्री अनिल विज के प्रयासों से भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा-वृंदावन जाने वाले श्रद्धालुओं को अंबाला से अब प्रतिदिन सीधी एसी बस सेवा का लाभ मिलेगा। विज के प्रयासों से बस सेवा अंबाला से प्रारंभ हो गई है जिसका श्रद्धालुओं को अत्याधिक लाभ मिलेगा क्योंकि अब तक अंबाला से मथुरा-वृंदावन के लिए कोई सीधी बस सेवा उपलब्ध नहीं थी। इस बस सेवा के प्रारंभ होने से श्रद्धालुओं ने परिवहन मंत्री अनिल विज का आभार भी व्यक्त किया है। मथुरा-वृंदावन के लिए एसी बस प्रतिदिन प्रातः 5:30 बजे से चलेगी जोकि नौ घंटे के सफर के बाद दोपहर 2:30 बजे गंतव्य पर पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में बस रात्रि 8:30 बजे मथुरा से चलेगी जोकि नौ घंटे के सफर के बाद अंबाला पहुंचेगी। इस बस सेवा के प्रारंभ होने से धार्मिक स्थली जाने के लिए यात्रियों को सुविधा उपलब्ध होगी। अंबाला ही नहीं बल्कि पंचकूला, यमुनानगर, हिमाचल प्रदेश आदि जगहों से भी यात्रियों को इस बस सेवा का लाभ मिलेगा तथा भजन-कीर्तन करते हुए श्रद्धालु श्रीकृष्ण स्थली जाएंगे। रोडवेज ने इस रूट के लिए दो बसें आरक्षित की हैं। दोनों बसें बारी-बारी से संचालित होंगी, जिससे सेवा नियमित बनी रहे। अभी तक अंबाला से मथुरा-वृंदावन के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा उपलब्ध नहीं थी, जिससे श्रद्धालुओं को कई बार बस बदलनी पड़ती थी। नई सेवा शुरू होने से यात्रियों का समय तो बचेगा ही, परेशानी भी कम होगी। बस सेवा के प्रारंभ होने से श्रद्धालु सूरज राणा, सुनील चोपड़ा, अजय कपूर, रमेश डांग, विशाल, विजय आदि ने परिवहन मंत्री अनिल विज का आभार व्यक्त किया है।

अंबाला। वृंदावन जाने वाली बस फोटो : हरिभूमि

इस रूट पर संचालित होगी बस सेवा

बस प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे अंबाला छावनी बस अड्डे से रवाना होगी जोकि करनाल, पानीपत होते हुए दिल्ली, फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और पलवल से करीब 395 किलोमीटर की दूरी तय कर दोपहर लगभग 2:30 बजे वृंदावन और मथुरा पहुंचेगी। लगभग नौ घंटे की इस यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। बस में पेयजल के लिए कैंपर की व्यवस्था भी की गई है, जिससे यात्रियों को लंबी यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

नियमित रूप से संचालित होगी एसी बस

परिवहन मंत्री अनिल विज के प्रयासों से मथुरा-वृंदावन के लिए यह बस सेवा शुरू हुई है। बस नियमित रूप से संचालित होगी और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यात्रा के दौरान आवश्यक स्थानों पर बस रुकने की सुविधा भी रहेगी। बस चलने से कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, पंचकूला और आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को भी सीधा लाभ मिलेगा, क्योंकि पहले यात्रियों को दिल्ली या अन्य शहरों से बस बदलनी पड़ती थी, जिससे समय और धन दोनों अधिक खर्च होते थे। अब सीधी एसी बस सेवा शुरू होने से यात्रा पहले की तुलना में अधिक आसान, सुरक्षित और आरामदायक हो गई है।

दहेज प्रथा के खिलाफ पहल करे सैनी समाजः सुमन

अंबाला। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन का अभिनंदन करती महिलाएं।

- मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने समाज से किया आह्वान

हरियाणा न्यूज ▶▶| अंबाला

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने कहा कि सामाजिक कुरुतियों दहेज प्रथा व नशे के खिलाफ पूरे समाज को एकजुट होना होगा। सैनी भवन में समाज गौरव सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची थी। इससे पहले उन्होंने दीपशिखा प्रज्वलित कर व महात्मा ज्योतिबा फुले व सावित्री बाई फुले के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने सैनी सभा के प्रांगण में पौधारोपण भी किया। सुमन सैनी ने सैनी सर्कल सभा द्वारा यहां पर आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि परिवार के बीच आकर मुझे काफी आनंद की अनुभूति हुई है। समाज यदि दृढ़ संकल्प ले तो बड़े से बड़ा बदलाव कर सकता है। सैनी समाज को ओर एकजुट होकर सर्व समाज हित के लिए कार्य करना है। दहेज प्रथा जैसी समस्या को समाप्त करने के लिए स्वयं अपने से पहल करनी है। न दहेज लेना है, न दहेज देना है। समाज द्वारा जब यह संदेश दिया जाएगा तो दूसरों को भी प्रेरणा मिलेगी। उपाध्यक्ष ने इस मौके पर यह भी कहा कि अपने बच्चों को उच्च शिक्षा देकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है। महात्मा ज्योतिबा फुले व सावित्री बाई फुले द्वारा दी गई शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए हमें एकजुट होकर सभी बिरादरियों को साथ लेकर देश व प्रदेश हित के लिए कार्य करना है।

श्मशानघाट की मुख्य सड़क पर पानी जमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

शहर के शमशानघाट की मुख्य सड़क पर जमा पानी की वजह से अब शवों को पैदल ले जाना भी मुश्किल हो गया है। इस सड़क की हालत इतनी खराब है कि सड़क पर बने गहरे गड्ढे में जमा पानी की वजह से अंदर जाना किसी मुसीबत से कम नहीं है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के सदस्य सचिव एडवोकेट रोहित जैन ने सड़क की वर्तमान स्थिति को अत्यंत चिंताजनक और शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा की सड़क निर्माण कार्य की अव्यवस्था तथा निकासी व्यवस्था के अभाव के कारण पूरे मार्ग पर कई दिनों से पानी भरा हुआ है। विडंबना यह है कि पिछले कई दिनों से बरसात न होने के बावजूद पानी अब भी जमा हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्रशासन ने जल निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की है। प्रदेश कांग्रेस के डेलीगेट रहे रोहित जैन ने कहा स्थिति इतनी भयावह है कि शोकाकुल परिवारों के लिए अपने प्रियजनों के पार्थिव शरीर को श्मशान घाट तक ले जाना भी लगभग असंभव हो गया है। अंतिम यात्रा जैसी संवेदनशील घड़ी में लोगों को कीचड़, गंदे पानी और टूटी हुई सड़क से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के प्रति घोर उदासीनता का परिचायक है। उन्होंने ने कहा हम जिला प्रशासन को यह याद दिलाना चाहते हैं कि श्मशान घाट वह स्थान है, जहां जीवन के अंतिम पड़ाव पर हर व्यक्ति को आना है। इसलिए इस स्थान तक पहुंचने वाले मार्ग की उपेक्षा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती। जो अधिकारी इस समस्या से आंखें मूंद रहे हैं उन्हें भी यह समझना चाहिए कि जीवन की अंतिम यात्रा का मार्ग सम्मानजनक और सुगम होना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है।

अंबाला। सड़क पर जमा पानी से गुजरते लोग। फोटो : हरिभूमि

तत्काल प्रभाव से जल निकासी व्यवस्था की मांग

जैन ने प्रशासन से रामबाग श्मशान घाट जाने वाले मार्ग से तत्काल जलभराव समाप्त करने, सड़क निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर पूरा किए जाने , स्थायी जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही सड़क का जब तक निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो जाता, तब तक अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों हेतु सुरक्षित एवं सुगम वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराए जाने की मांग की है। इसके अलावा उन्होंने ने कहा की यदि प्रशासन ने शीघ्र इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं किया, तो स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर जनहित में लोकतांत्रिक ढंग से आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

राजनीतिक प्रतिशोध की मंशा से ब्लॉक अध्यक्ष को निगम ने भेजा नोटिस : निर्मल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर के विधायक निर्मल सिंह ने नगर निगम द्वारा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विनोद धीमान को जारी किए गए नोटिस को सत्ता के दुरुपयोग और राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज़ को प्रशासन के सहारे दबाने की कोशिश किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सत्ता किसी की जागीर नहीं होती। न ही हमेशा एक जैसी रहती है। जो लोग सत्ता के नशे में चूर होकर प्रशासन का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को डराने और झुकाने के लिए कर रहे हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि जनता सब देख रही है और लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता ही करती है। निर्मल सिंह ने कहा कि अंबाला शहर में सत्ता के संरक्षण में कारोबारियों,व्यापारियों, कर्मचारियों और विपक्षी कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाने का माहौल तैयार किया जा रहा है। नगर निगम के माध्यम से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद धीमान को नोटिस भेजना इसी राजनीतिक मानसिकता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई किसी नियम के पालन से अधिक राजनीतिक दबाव बनाने का प्रयास प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा विधानसभा में अंबाला शहर की उठाई गई मांगों का प्रचार विनोद धीमान करता है और सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं प्रशासनिक विफलताओं को जनता के सामने रखता हैं। यदि जनता की आवाज़ उठाना अपराध है, तो कांग्रेस पार्टी इस अपराध को आगे भी पूरी मजबूती से करती रहेगी। विधायक ने दो टूक शब्दों में कहा कि विनोद धीमान अकेले नहीं हैं। उनके साथ मैं स्वयं, अंबाला शहर की कांग्रेस और हजारों कार्यकर्ता चट्टान की तरह खड़े हैं। किसी भी कांग्रेस कार्यकर्ता को राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार बनाया गया तो उसका लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से जोरदार जवाब दिया जाएगा।

विधायक निर्मल।

- विधायक बोले प्रशासन विपक्ष की आवाज दबाने का कर रहा है प्रयास

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

आर्थिक अपराध शाखा ने विदेश भेजने के नाम पर 6.80 लाख की ठगी करने वाला एक और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अब आरोपी को रिमांड पर लिया है। आर्थिक अपराध शाखा के जांच अधिकारी सहायक उप-निरीक्षक जसमहेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता परमजीत सिंह निवासी शिव प्रताप नगर, महेश नगर ने 14 मई 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार 5 जून 2025 से 14 मई 2026 के दौरान आरोपी विवेक उर्फ वरुण व उसके अन्य साथियों ने उसकी पुत्री को विदेश भेजने का झांसा देकर 6,80,000 छह लाख अस्सी हजार रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों ने न तो उसकी पुत्री को विदेश भेजा और न ही पैसे वापस किए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी विवेक उर्फ वरुण को गिरफ्तार किया था। आरोपी के कब्जे से 2,00,000 की नकदी बरामद कर उसे न्यायिक हिरासत (जेल) भेज दिया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी विवेक ने मामले में अपने अन्य साथी राहुल की संलिपता का खुलासा किया था। इसके बाद आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी राहुल को भी गिरफ्तार कर लिया।

प्रदेश के सभी स्कूलों में सप्ताह में एक दिन गूंजेगा राज्य गीत : जसवींद्र सिंह

- मंडौर विद्यालय में आज प्रात कालीन सभा में हुआ सामूहिक गायन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

विद्यालय शिक्षा निदेशालय के निर्देशों के अनुपालन में राजकीय उच्च विद्यालय मंडौर में शनिवार को प्रातःकालीन प्रार्थना सभा के दौरान पूरे उत्साह और गरिमामय वातावरण में राज्य गीत का सामूहिक गायन किया गया। विद्यालय परिसर प्रदेशभक्ति और सांस्कृतिक गौरव की भावना से ओत प्रोत नजर आया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को राज्य गीत का महत्व बताते हुए उसके इतिहास और निर्माण की पूरी जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ शिक्षाविद रामपाल शास्त्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्य गीत की पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राज्य गीत केवल एक गीत नहीं बल्कि प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं, वीरता, मेहनतकश जीवनशैली और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अपने राज्य के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ना प्रत्येक विद्यार्थी का कर्तव्य है। विद्यालय इंचार्ज जसविंद्र सिंह ने बताया कि शिक्षा निदेशालय के आदेशानुसार अब प्रत्येक सप्ताह एक दिन प्रार्थना सभा में राज्य गीत का सामूहिक गायन कराया जाएगा।

अंबाला। बच्चे लोक गीत का सामूहिक गायन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यह लोकतांत्रिक लड़ाई की सफलताः चित्रा

अंबाला। युवा नेत्री चित्रा सरवारा ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत का प्रतीक है। यह उन विद्यार्थियों, युवाओं

और नागरिकों की शांतिपूर्ण, संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक लड़ाई की सफलता है, जिन्होंने अन्याय के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास बनाए रखा। यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि जब जनता संगठित होकर संविधान के दायरे में रहकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करती है, तो सबसे सशक्त सत्ता को भी जनभावनाओं का सम्मान करना पड़ता है। यह केवल एक व्यक्ति के पद छोड़ने का विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र में जनता की आवाज की ताकत का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक को लेकर देश का युवा केंद्र सरकार के खिलाफ हुंकार भर चुका है। देश में पेपर लीक के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। केंद्र सरकार देश के बच्चों को अच्छी देने में विफल साबित हो रही है। केंद्र सरकार ने युवाओं के बुलंद हौसले के सामने घुटने टेक दिए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आंदोलन के 32वें दिन इस्तीफा दे दिया।

छात्रों के संघर्ष की ऐतिहासिक जीतः विनोद धीमान

अंबाला। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रधान विनोद धीमान ने इसे देश के करोड़ों छात्रों, युवाओं और लोकतांत्रिक संघर्ष की ऐतिहासिक जीत बताते हुए कहा कि यह अहंकार पर जनशक्ति की विजय है। उन्होंने ने कहा कि उन 22 छात्रों की याद पूरे देश के सामने है जिन्होंने नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण के बाद निराशा और मानसिक तनाव के बीच अपनी जान गंवाई। उन्होंने कहा कि वे छात्र अब कभी वापस नहीं आ सकते, लेकिन धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा उन परिवारों के प्रति नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करने की दिशा में एक प्रतीकात्मक कदम है।

देशभक्ति, ज्ञान, संस्कार और संकल्प से ओत-प्रोत रहा संपूर्ण स्कूल परिसर

कारगिल दिवस देश के प्रति संकल्प लेने का दिन : डॉ. राधा

डीएवी पब्लिक स्कूल में छात्रों ने विविध देशभक्ति गतिविधियों से दर्शाई राष्ट्रभक्ति की भावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के डीएवी सीनियर सैकेंडरी पब्लिक स्कूल में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा बारहवीं तक विविध देशभक्ति गतिविधियों का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय का प्रत्येक कोना तिरंगे की आन, वीर सैनिकों के सम्मान तथा राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा, ज्ञान और भावनाओं के माध्यम से कारगिल के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। तनु प्रिया ने बताया कि हिंदी साहित्य क्लब द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम तीन दिनों तक लगातार चलता रहा जिसमें कक्षा छठी से बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए सैनिकों के नाम पत्र लेखन गतिविधि व भारतीय सशस्त्र सेनाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें भारतीय थल सेना, नौसेना, वायु सेना, सैन्य इतिहास, वीरता पुरस्कारों तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने ज्ञान और देश के प्रति जागरूकता का परिचय दिया। 25 जुलाई को विद्यालय की प्रार्थना सभा में इस अवसर पर कक्षा सातवीं एवं आठवीं की छात्राओं दिशिता एवं मान्या ने अपने प्रभावशाली भाषण और ओजस्वी कविता-पाठ से कारगिल के वीरों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। मंजू सचदेवा के मार्गदर्शन में प्री-नर्सरी विंग में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। प्राचार्य डॉ. राधा रमन सूरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक ऐतिहासिक विजय का स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का संकल्प लेने का दिवस है।

अंबाला। कार्यक्रम में शिक्षकों के साथ मौजूद छात्र

सशस्त्र सेना में महिलाओं को अवसर की दी जानकारी

गतिविधि प्रभारी गौरी वंदना ने विशेष रूप से छात्राओं को भारतीय सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं के लिए उपलब्ध बढ़ते अवसरों की जानकारी दी। प्रार्थना सभा में सबसे भावपूर्ण क्षण वह रहा जब प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने दीप प्रज्वलित कर कारगिल के अमर शहीदों को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित की। पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सभी ने देश की सीमाओं की सुरक्षा, राष्ट्र की अखंडता तथा प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रसेवा की भावना जागृत रहने की प्रार्थना की। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. राधा रमन सूरी ने हिंदी साहित्य क्लब के प्रभारी शिक्षकों हरदीप कौर , सुमन शर्मा, राज चांनना, सभी समन्वयकों, गतिविधि प्रभारियों तथा सहयोगी शिक्षकों को इस सफल एवं प्रेरणादायी आयोजन के लिए हार्दिक साधुवाद दिया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 26 जुलाई 2026

आषाढ़ बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए फिर बन जाएं बच्चे

रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।

समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलती है।

तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने पर हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढ़ने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।

भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक थेरेपी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।

कागज की कश्ती से दोस्ती: 'वो कागज की कश्ती, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नज्म वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कश्ती को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!

नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।

झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों की डालियों पर रस्सियों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।

फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।

लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुए, मूंगदाल के चीले, गरमा-गरम पकोड़े और अदरक वाली चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुत्फ और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलोरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।

हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पत्तियों पर अटकी बूंदें, रेंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विस्मय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। *

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बादलों की गड़गड़ाहट, मेंढकों की टर्र-टर्र, झींगुरों की आवाज और पत्तियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ

सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।

लाइफस्टाइल
अंजू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।

स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोंटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।

व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घाओं या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।

शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जीबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुनें या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में हीलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

अकेलापन वृद्ध अवस्था में एक साइलेंट किलर की तरह काम करता है। थिएटर और कंसर्ट हॉल जैसे सार्वजनिक स्थान लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव खत्म होता है और जीवन जीने की इच्छा मजबूत होती है। *

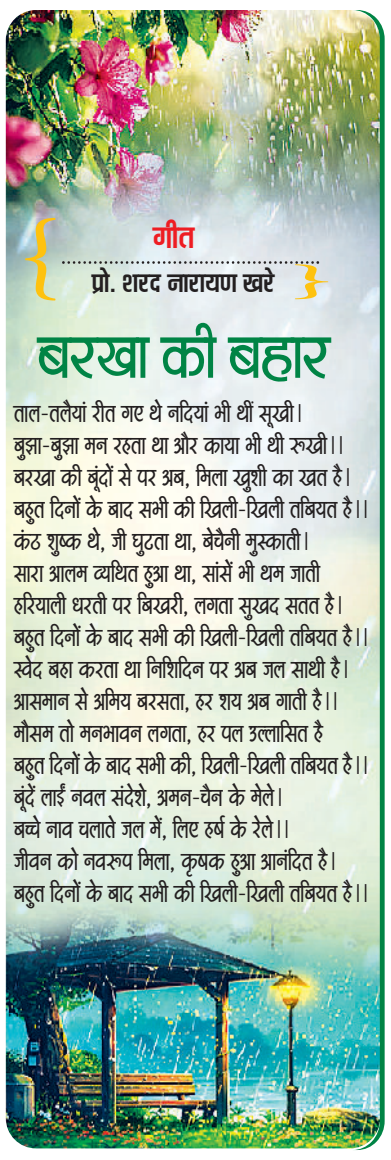

गीत
प्रो. शरद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थीं सूखी।
बुझा-बुझा मन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, मिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेचैनी मुस्काती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सांसें भी थम जाती
हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
स्वेद बहा करता था निशिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से अमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
मौसम तो मनभावन लगता, हर पल उल्लासित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, खिली-खिली तबियत है।।
बूंदें लाईं नवल संदेशे, अमन-चैन के मेले।
बच्चे नाव चलाते जल में, लिए हर्ष के रेले।।
जीवन को नवरूप मिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।

लघुकथा / संजय मृदुल

गुरु दक्षिणा

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से डूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'

'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।

'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूं देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से यहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।

'तुम अचानक यहां कैसे बेटा? और तुम्हे हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।'

रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सैल हो गई थी। रोज-रोज की मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।

'क्या सोचने लगी आंटी? मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।

'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।'

'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया।

'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुधर जाएंगे। बस सब्र रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटा। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

समय-समाज की कहानियां

गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षरण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में हार मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खटराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दांपत्य जीवन से आबद्ध दो सहेलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सोंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। *

मिनी और अन्य कहानियाँ
अवधेश प्रीत

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), **लेखक:** अवधेश प्रीत, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हरियाली से ढंकी वादियों वाला कुर्ग

कर्नाटक राज्य में स्थित कुर्ग, दक्षिण भारत का सबसे विख्यात मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशन है। जुलाई-अगस्त के महीने में यह स्थान कोहरे से ढंके कॉफी प्लांटेशनों, पानी से भरे झरनों और हरे-भरे जंगलों में तब्दील हो जाता है। इन्हीं महीनों में ही यहां कक्काडा का कोडव माह भी पड़ता है, जब बांस, जंगली मशरूम और मेडिसिनल यूज वाली मड्डु थोप्प पत्तियां, स्थानीय व्यंजनों का हिस्सा बन जाती हैं। आप यहां पहाड़ों में लॉन्ग ड्राइव करते हुए ऐबी फाल्स, राजा की सीट और दुबारे एलीफैंट कैंप पर रुक सकते हैं या प्लांटेशन स्टे में रहकर बारिश का आनंद ले सकते हैं। *

शांत-मनमोहक हिल स्टेशन भंडारदरा

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित एक बेहद खूबसूरत और शांत हिल स्टेशन है भंडारदरा। यह सह्याद्री की पहाड़ियों में प्रवारा नदी के किनारे बसा हुआ है और अपने शानदार झरनों, प्राचीन किलों और हरी-भरी वादियों के लिए जाना जाता है। यह मुंबई से लगभग 185 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग से गाड़ी द्वारा यहां पहुंचने में करीब 4 से 4.5 घंटे का समय लगता है। यहां के प्रमुख आकर्षणों में से एक विल्सन डैम, प्रवारा नदी पर बना भारत के सबसे पुराने बांधों में से एक है। बारिश के मौसम में विल्सन डैम से गिरता हुआ पानी बिल्कुल छतरी जैसा आकार बनाता है, इसीलिए इसे अंब्रेला फॉल कहते हैं। यहां स्थित रंधा फॉल को 'इंडियन नियाग्रा फॉल्स' भी कहा जाता है, जो एक गहरी खाई में लगभग 170 फीट की ऊंचाई से गिरता है। इस धुंध भरे मौसम में भंडारदरा में कैंपिंग का भरपूर आनंद ले सकते हैं। *

{ सीजनल ट्रैवलिंग / समीर चौधरी }

जुलाई-अगस्त के महीनों में जहां देश के अधिकांश हिस्से बारिश से सराबोर रहते हैं, वहीं कुछ खूबसूरत पर्यटन स्थल, इस मौसम में और भी मोहक और आकर्षक हो जाते हैं। कहीं फूलों की घाटियां खिल उठती हैं, तो कहीं झरने, जंगल, पहाड़ और धुंध पर्यटकों को शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। यहां देश के ऐसे ही कुछ शानदार मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशंस के बारे में बता रहे हैं।

मानसून में घुमक्कड़ी के लिए बेस्ट ये अमेजिंग ट्रैवल डेस्टिनेशंस

हिमालय की गोद में बसी फूलों की घाटी

जुलाई-अगस्त में उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित फूलों की घाटी, जो कि यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में लिस्टेड है, भी खिलने लगती है। हजारों अल्पाइन फूल पश्चिम हिमालय की गोद में बसी इस वादी को रंगों के इंद्रधनुष में बदल देते हैं। यह खूबसूरत घाटी साल में सीमित समय (1 जून से 31 अक्टूबर) के लिए ही खुलती है क्योंकि यह अधिकतर समय बर्फ से ढंकी रहती है। फूलों की घाटी की सैर करते हुए आप हेमकुंड साहिब भी जा सकते हैं जो एक सिख धर्मावलंबियों का तीर्थ स्थल है और इसी मौसम में दर्शन के लिए खुलता है। *

सुंदर-मनमोहक लैंडस्केप तवांग

अरुणाचल प्रदेश में तवांग की यात्रा करने के लिए भी सबसे अच्छा महीना जुलाई-अगस्त ही है। ऊंचाई पर बसे इस शहर में तापमान ठंडा रहता है और हरे-भरे पहाड़ी लैंडस्केप आकर्षित करते हैं। सेला पास, माधुरी झील और बुम-ला का कुदरती सौंदर्य आप कभी नहीं भूल पाएंगे। अगर मौसम खराब न हो तो कुछ समय 17वीं शताब्दी में निर्मित तवांग मठ में भी अवश्य गुजारें। यह भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ है। इसके साथ ही यहां फूलों भरी घाटियां और घुमावदार ग्लेशियर झीलें भी दर्शनीय हैं। *

जन्नत जैसा लाहौल-स्पीति

हिमाचल प्रदेश में पहले लाहौल और स्पीति के रूप में दो अलग-अलग जिले थे, लेकिन अब इन्हें मिलाकर एक जिला लाहौल-स्पीति कर दिया गया है। जुलाई के महीने में इस क्षेत्र में पर्यटकों के आने का सिलसिला शुरू हो जाता है, क्योंकि बर्फ पिघलना आरंभ हो जाती है और सड़कों पर चलना संभव हो जाता है। एडवेंचर पसंद करने वालों, प्रकृति प्रेमियों और शहरी जीवन की तेजी व शोर-शराबे से बचने वालों के लिए लाहौल-स्पीति जुलाई-अगस्त के महीनों में जन्नत जैसा हो जाता है। इस समय मौसम इतना सुहावना होता है कि ठंड का एहसास तक नहीं होता और गर्मी लगने का तो सवाल ही नहीं उठता है। सबसे अच्छी बात यह है कि लाहौल-स्पीति, रेन शैडो एरिया है, जिसका अर्थ है कि यहां जुलाई में न के बराबर बारिश पड़ती है, इसलिए जब देश के बाकी हिस्सों में मानसून अपने चरम पर होता है तो उससे बचने के लिए लाहौल-स्पीति में आनंदमय शरण ली जा सकती है। *

कांवड़ यात्रा शिवभक्ति के साथ संकल्प-श्रद्धा की पावन यात्रा

कंधों पर कांवड़, पैरों में छाले और जुबां पर सिर्फ एक ही उद्घोष- हर-हर महादेव। सावन आते ही सड़कों पर उमड़ता आस्था का यह जनसैलाब, सदियों पुरानी उस परंपरा की कहानी कहता है, जहां आस्था, त्याग और शिवभक्ति साथ-साथ चलते हैं।

{ आस्था / शिखर चंद जैन }

शिव आराधना का सबसे पावन और कठिन अनुष्ठान है कांवड़ यात्रा। श्रावण मास की शुरुआत से ही चारों ओर 'बम-बम भोले', 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' की गूंज सुनाई देने लगती है। केसरिया वस्त्र पहने लाखों श्रद्धालु कांवड़िए पवित्र नदियों से जल भरकर पैदल यात्रा करते हैं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अगाध श्रद्धा, मानसिक संकल्प और शारीरिक सहिष्णुता का जीवंत प्रतीक है। ऊंच-नीच के भेदभाव को भुलाकर, केवल शिव भक्ति में लीन होकर एक ही दिशा में कदम बढ़ाना इस यात्रा को अलौकिक और अद्वितीय बनाता है।

कांवड़ यात्रा की शुरुआतः कांवड़ यात्रा की शुरुआत को लेकर कई धार्मिक-पौराणिक कथाएं एवं मान्यताएं प्रचलित हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार परशुराम जी को सबसे पहला कांवड़िया माना जाता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के बागपत के पास 'पुरा महादेव' नाम के दिव्य शिवलिंग की स्थापना की थी। परशुराम जी ने गढ़मुक्तेश्वर से पवित्र गंगाजल लाकर इस शिवलिंग पर जलाभिषेक किया था। उस समय श्रावण मास चल रहा था। तभी से इस परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के समय जब हलाहल विष निकला, तो ब्रह्मांड को बचाने के लिए भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से शिव जी का कंठ नीला पड़ गया और उनका शरीर तपने लगा। शिव जी के शरीर की जलन को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने उन पर पवित्र नदियों का जल चढ़ाया। रावण द्वारा वैद्यनाथ धाम में गंगाजल लाकर शिव जी को अर्पित करने की कथा भी प्रचलित है।

कांवड़ यात्रा की महत्ताः यात्रा के दौरान कांवड़िए मांस, मदिरा, तामसिक भोजन और अपशब्दों से पूरी तरह दूर रहते हैं। बिना जूते-चप्पल के पैदल चलना सहनशीलता सिखाता है। मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से गंगाजल लाकर शिव जी का अभिषेक करता है, उसकी सभी सांसारिक बाधाएं दूर हो जाती हैं और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

कई प्रकार की कांवड़ यात्राएं

सामान्य कांवड़ः इसमें कांवड़िए आराम से यात्रा करते हैं। वे रास्ते में बने शिविरों में रुक सकते हैं, भोजन कर सकते हैं और सो सकते हैं। रुकने के दौरान कांवड़ को स्टैंड या पेड़ पर टांगा जाता है।

डाक कांवड़ः इसमें जल भरने के बाद कांवड़िया बिना रुके लगातार दौड़ता या तेज चलता है। यदि कोई डाक कांवड़िया थक जाता है, तो उसकी टीम का दूसरा सदस्य कांवड़ लेकर दौड़ना शुरू करता है।

खड़ी कांवड़ः इस यात्रा में कांवड़ को हमेशा गति में रखना होता है। यदि कांवड़िया आराम करता है, सोता है तो उसकी जगह किसी दूसरे सहयोगी को कांवड़ को अपने कंधे पर लेकर खड़े रहना या चलना पड़ता है।

दंडी कांवड़ः इसमें श्रद्धालु नदी से जल भरने के बाद शिव मंदिर तक की पूरी दूरी साष्टांग प्रणाम करते हुए पूरी करते हैं। इस यात्रा को पूरा करने में हफ्तों या महीनों का समय लग जाता है।

प्रसिद्ध कांवड़ यात्राएंः भारत में दो सबसे बड़ी कांवड़ यात्राएं आयोजित होती हैं। पहली हरिद्वार यात्रा, जिसमें श्रद्धालु हरिद्वार, ऋषिकेश या गौमुख से गंगाजल भरते हैं। ये श्रद्धालु वापस आकर अपने स्थानीय शिव मंदिरों में जल चढ़ाते हैं। दूसरी सुल्तानगंज से देवघर तक की यात्रा। इस यात्रा में श्रद्धालु सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल लेते हैं और देवघर स्थित वैद्यनाथ धाम में ज्योतिर्लिंग पर जल अर्पित करते हैं। *

जंगलों के नायक-रक्षक फॉरेस्ट रेंजर

जंगली जानवरों ही नहीं वन संपदा की सुरक्षा करने और उन्हें संवर्धित करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका फॉरेस्ट रेंजर्स की होती है। ये किस-किस तरह की भूमिकाएं निभाते हैं, इस बारे में आपको भी जानना चाहिए।

{ भूमिका / शैलेंद्र सिंह }

जब भी भारत के बाघों की बढ़ती संख्या, एशियाई शेरों और काजीरंगा के गैंडों की सुरक्षा या हाथियों के संरक्षण की बात होती है, तो सुर्खियों में अकसर राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य और सरकारी योजनाएं होती हैं। लेकिन इन सफलताओं के पीछे ऐसे हजारों चेहरे भी होते हैं, जिनका नाम शायद ही कभी सुर्खियां बनता हो। ये हैं हमारे फॉरेस्ट रेंजर और फ्रंट लाइन वन सुरक्षाकर्मी। ये वो लोग होते हैं, जो हर मौसम, हर परिस्थिति और हर खतरे के बीच जंगलों की रक्षा में दिन-रात डटे रहते हैं। यही कारण है कि 31 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व रेंजर दिवस केवल एक औपचारिक दिवस भर नहीं है, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

निभाते हैं कई भूमिकाएंः वन या फॉरेस्ट रेंजर का काम केवल जंगल में गश्त लगाना भर नहीं है, उसकी जिम्मेदारी वास्तव में किसी एक विभाग तक सीमित नहीं है। उन्हें वन्यजीवों की सुरक्षा करनी पड़ती है, अवैध शिकार पर नजर रखनी होती है, लकड़ी की तस्करी रोकनी होती है, जंगल में लगने वाली आग पर नियंत्रण पाना होता है, मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति में लोगों और जानवरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है और कई बार घायल वन्यजीवों के बचाव अभियान में भी हिस्सा लेना पड़ता है। मतलब यह एक ऐसी नौकरी है, जिसमें हर दिन एक नहीं बल्कि कई तरह की चुनौतियों से निपटना होता है।

कठिनाइयों में निभाते दायित्वः एक वन रेंजर का दिन अकसर सूर्योदय से पहले शुरू हो जाता है। वह कई किलोमीटर तक पैदल गश्त करता है। दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़ाई करता है। घने जंगलों में घंटों तक निगरानी करता है और रात में भी सतर्क रहना पड़ता है। यह सब उसके काम का हिस्सा है। बरसात, भीषण गर्मी या कड़ाके की ठंड, प्रकृति का कोई भी मौसम उसकी जिम्मेदारी को कम नहीं करता बल्कि कई बार उसे ऐसे इलाकों में काम करना पड़ता है, जहां मोबाइल नेटवर्क तक काम नहीं करता।

हर क्षेत्र में सक्रियः निःसंदेह आज भारत दुनिया का सबसे ज्यादा जंगली बाघों वाला देश है। लेकिन यह उपलब्धि केवल सरकारी नीतियां बना देने भर का परिणाम नहीं है बल्कि उन वन कर्मियों की सतत मेहनत का भी नतीजा है, जो कैमरा ट्रैप की निगरानी करते हैं, जंगल में गश्त करते हैं, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हैं और शिकारियों के खिलाफ कार्यवाई करते हैं। गुजरात में एशियाई शेरों की सुरक्षा का सवाल हो, असम में एक सींग वाले गैंडों का संरक्षण हो या दक्षिण भारत के हाथी गलियारों की निगरानी करनी हो, हर जगह वन रेंजर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं।

बढ़े हैं नए दायित्वः हाल के कुछ सालों में वन रेंजरों का कार्यक्षेत्र और भी ज्यादा व्यापक हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया के जंगलों में लगने वाली आग की घटनाएं बढ़ रही हैं, वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं और मानव-वन्यजीव संघर्ष के मामले भी बढ़े हैं। ऐसे में वन रेंजर अब केवल वन्यजीवों के संरक्षक भर नहीं हैं बल्कि पर्यावरणीय आपदाओं से निपटने वाले अग्रिम प्रहरी भी बन गए हैं। वे जंगलों की स्थिति का आंकलन करते हैं, जलस्रोतों की निगरानी करते हैं और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर संरक्षण योजनाओं को लागू करते हैं। तकनीक ने इनके काम को नई दिशा दी है। आज कैमरा ट्रैप, ड्रोन, जीपीएस आधारित स्मार्ट पेट्रोलिंग, रेडियो कॉलर, सैटेलाइट मैपिंग और एआई जैसे उपकरण वन्यजीव संरक्षण में मदद कर रहे हैं। मगर ये सारी तकनीक सिर्फ सहायक हैं। अंतिम निर्णय और जोखिम उठाने का साहस केवल और केवल वन रक्षकों का ही होता है। इसलिए आज भी मौके पर त्वरित कार्यवाई वन रेंजरों की सूझबूझ और अनुभव के जरिए ही होती है।

रिस्क भी है बहुतः फॉरेस्ट रेंजर्स का काम जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जोखिम भरा भी है। कई बार उन्हें हथियाबंद शिकारियों और वन माफिया का भी सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ जंगली हाथी, बाघ, तेंदुए या भालू जैसे वन्यजीवों से अचानक सामना भी जानलेवा हो सकता है। जंगल की आग, बाढ़, भू-स्खलन और विषैले जीव-जंतु भी उनकी राह में कई तरह के जानलेवा रोड़े अटकाते हैं। यह अकारण नहीं है कि दुनिया में हर वर्ष बड़ी संख्या में वन रेंजर ड्यूटी के वक्त अपनी जान गंवा देते हैं। विश्व रेंजर दिवस वास्तव में ऐसे ही बहादुर वन रक्षकों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है। *

एक्टिंग की दुनिया में विक्रांत मेसी का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। टीवी से शुरू हुआ विक्रांत का सफर फिल्म और वेब सीरीज तक पहुंच चुका है। हर किरदार में कुछ नया तलाशने वाले विक्रांत इन दिनों नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। यहां प्रस्तुत है इस वेब सीरीज और एक्टिंग करियर पर विक्रांत मेसी से हुई बातचीत के प्रमुख अंश।

लवस्टोरी बेस्ड बहुत दिलचस्प वेब सीरीज है 'मुसाफिर कैफे': विक्रांत मेसी

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

विक्रांत मेसी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टीवी से की थी। उसके बाद विक्रांत ने फिल्मों में काम शुरू किया। उनको फिल्म '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कई वेब सीरीज में भी विक्रांत मेसी ने अलग-अलग तरह का अभिनय करके दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई। 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में विक्रांत मेसी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। साथ ही विक्रांत इस सीरीज के को-प्रोड्यूसर भी हैं। 'मुसाफिर कैफे' में उनका काम करने का अनुभव कैसा रहा? इसके अलावा अपने एक्टिंग करियर से जुड़े कई दिलचस्प सवालों के जवाब दिए विक्रांत मेसी ने।

रोमांटिक वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में आप एक्टर होने के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर भी हैं। इस वेब सीरीज को प्रोड्यूस करने और इसमें अभिनय करने का खयाल आपके मन में कैसे आया?

एक एक्टर की हमेशा ख्वाहिश होती है कि उसे अच्छी कहानी पर काम करने का या अभिनय करने का मौका मिले। मेरी भी हमेशा कोशिश रहती है कि मैं जो भी काम करूं या जो भी किरदार निभाऊं, उसमें मुझे कुछ अलग कुछ नया करने का मौका मिले। ऐसे में जब मुझे 'मुसाफिर कैफे' वेब सीरीज का ऑफर आया तो मुझे इसकी कहानी अच्छी लगी, लिहाजा मैंने इस वेब सीरीज में एक्टिंग करने के साथ-साथ बतौर सह निर्माता भी नई शुरुआत की। चूंकि यह सीरीज नेटफ्लिक्स की है और मैं नेटफ्लिक्स के साथ पहले भी काफी काम कर चुका हूं, इसलिए मुझे लगा कि मैं 'मुसाफिर कैफे' प्रोड्यूस भी करूं। यह लवस्टोरी पर बेस्ड बहुत ही दिलचस्प सीरीज है, जिसमें पहाड़ों में रोमांस दिखाया गया है।

'मुसाफिर कैफे' के एक सीन में को-एक्ट्रेस के साथ विक्रांत मेसी

'मुसाफिर कैफे' में रोमांस को दो तरीके से दिखाया गया है, जिसमें एक तरफ जवानी की शुरुआत के दौरान का प्यार है, जो हमें प्यार करना सिखाता है और दूसरी तरफ एक ऐसा भी प्यार है, जो सच्चे प्यार की अहमियत समझाता है। इन दोनों में से कौन-सा प्यार आपको आकर्षित करता है?

मेरे खयाल में अगर जिंदगी का तजुर्बा हासिल करना है तो दोनों प्यार का अनुभव पाना जरूरी है। एक बार प्यार में दिल टूटने के बावजूद अगर आपको दूसरा प्यार मिल जाता है तो इसके बाद आपको सच्चे प्यार की परख होती है। और यह फर्क तभी पता चलता है, जब आप दोनों प्यार की अच्छाई-बुराई का अनुभव करते हैं। जवानी में होने वाला प्यार आपको खुशी देता है, तो एक उम्र के बाद मैच्योरिटी में मिला प्यार आपको सुकून देता है। यही इस सीरीज में दिखाया गया है। इस सीरीज की कहानी दिव्य प्रकाश दुबे की नॉवेल पर बेस्ड है।

इस सीरीज में एक्टिंग के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभालना आपके लिए कितना मुश्किल या कितना आसान रहा?

सच कहूं तो मुझे तकनीकी पक्ष की ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन शरण्या राजगोपाल जैसी सक्षम लेखिका और टेरीबली टिनी टेल्स जैसे बेहतरीन प्रोडक्शन पार्टनर की वजह से बतौर निर्माता मेरे लिए काम करना आसान हो गया। इनके साथ काम करने के बाद मुझे प्रोडक्शन या तकनीकी पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत नहीं पड़ी। अगर दमदार कहानी हो, अच्छी स्क्रिप्ट और पूरी तैयारी हो तो आपको सेट पर जाकर काम करना आसान हो जाता है।

आपने छोटे पर्दे यानी टीवी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करके बड़े पर्दे पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। '12वीं फेल' के लिए तो आपको राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। अपने इस सफर को आप कैसे देखते हैं?

राष्ट्रीय पुरस्कार पाना एक कलाकार के लिए बहुत बड़े सम्मान की बात होती है। जब मुझे पता चला कि मुझे '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। बाकी जहां तक टीवी से फिल्म और फिल्म से वेब सीरीज तक अभिनय सफर की बात है तो वह मुश्किल भी रहा और मजेदार भी, क्योंकि आपको जब कड़ी मेहनत करने के बाद सफलता का मजा चखने का मौका मिलता है तो एक अंदरूनी खुशी होती है। जिसे बयां नहीं किया जा सकता है।

काम के प्रति आपका उत्साह, आपकी लगन और ऊर्जा आज भी बरकरार है। आपके प्रेरणा स्रोत कौन हैं?

एक एक्टर कभी भी अपने काम से संतुष्ट नहीं होता और उसे ऐसा लगता है कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। यही जुनून उस एक्टर के लिए प्रेरणा स्रोत होता है। जब मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला तो कई लोगों ने मुझे यही सवाल किया, 'आपका लक्ष्य तो पूरा हो गया, क्या आगे भी आप ऐसे ही काम के प्रति प्रोत्साहित रहेंगे?' ऐसे में मेरा यही मानना है पुरस्कार या सम्मान यात्रा के पड़ाव हैं। असली लक्ष्य है, अच्छी कहानी के जरिए आम लोगों के बीच सच में बदलाव करना। *